डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 290 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 03 अगस्त 2024 | मूल्य 2 रुपया

गुमशुदा की तलाश

मेरा पुत्र मनोहर पाटीदार उम्र 38 वर्ष दिनांक 18/07/2024 को घर से बीना बताये कहीं चला गया है, जहां भी दिखे अतिशीघ्र जानकारी दे। उसने लाल रंग की चेक शर्ट और काली पेंट पहनी है।

***** संपर्क सूत्र *****
प्रभुलाल रतनलाल पाटीदार, गांव, बरखेड़ा पंथ तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर
मो. 9109390340,9691649237

धर्मस्व विभाग के अधीन भी है अनेक मंदिर, मंदिरों में चोरी की बढ़ती घटनाओं से उठे सवाल...

मंदिरों में 'तीसरी आंख' सिस्टम लगाने में लापरवाही!

भगवान को भी नहीं बख्श रही बदमाशों की टीम, मंदिर की समितियां भी उदासीन

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले में अनेक मंदिर है। इसमें सामाजिक मंदिर भी है तो निजी मंदिर भी है। धर्मस्व विभाग के अधीन भी जिलेभर में अनेक मंदिर दर्ज है। अनेक निजी मंदिरों में सीसीटीवी केमरे लगे हुए हैं, वहां की समितियां सक्रिय है। जबकि कुछ मंदिरों में गठित समितियां सीसीटीवी केमरे लगाने में उदासीन बनी हुई है। यह सवाल इसलिए उठा है कि बिते महीनों में मंदिरों में चोरियां होने की घटनाएं बढ़ी है। यहां की समितियां के कर्ताधर्ता उदासीन रवैया अपनाए हुए हैं। बता दें कि मंदिर में जो राशि आती है, उस राशि का एक हिस्सा सीसीटीवी केमरे लगाने के लिए आरक्षित कर दिया जाए तो केम्मरे लगाने में आसानी रहेगी। केम्मरे लगाने का सीधा औचित्य है कि आदतन बदमाशों पर नजर रहेगी तथा मंदिरों में चोरी होने की घटनाएं टलेगी, वहीं यदि कोई बदमाश यह कृत्य करता भी है तो केमरे में उसकी चहलपहल कैद होने से उसे पकड़ने के लिए पुलिस प्रशासन को हरसंभव मदद मिलेगी।

हालांकि, पुलिस प्रशासन भी इस ओर उदासीन रवैया अपनाए हुए हैं, क्योंकि जिस मंदिर में चोरी होती है, उसी दिन केमरे लगाने के लिए जागरुक किया जाता है। बाकी दिनों में सुरक्षा की दुहाई देने वाले पुलिसकर्मी निष्क्रियता की चादर में ओढ़े हुए दिखाई देने लगे हैं। कुल मिलाकर सवाल मंदिरों में बढ़ती चोरियां रोकने का है, जिस कारण सुरक्षा के लिए समितियों को कोई न कोई कदम उठाना ही पड़ेगा।

पिछले कुछ वर्ष से बदमाशों की टीम भगवान को भी नहीं बख्श रही है। मंदिर में चोरियां करना पाप है, लेकिन इस पाप को बदमाश बिना कुछ सोचे समझे करते हैं। कुछ वर्ष पूर्व पशुपतिनाथजी मंदिर में चोरी के मामले में सीसीटीवी केमरे में बदमाश की तस्वीर कैद होने से उसे शीघ्रता से पकड़ा गया था। उधर, जिलेभर में जहां-जहां मंदिर है, वहां-वहां सीसीटीवी केमरे अभी तक नहीं लग पाए है। इस दिशा में यदि जागरुकता बरती जाए तो भगवान के मंदिर को नहीं बख्शने वाले बदमाशों पर लगाम लगाई जा सकती है। बता दें कि कुछ वर्ष पूर्व बदमाशों ने भानपुरा थाना क्षेत्र के एक ग्राम में स्थित मंदिर में चोरी करने घुसे थे। तब पुजारी वहां मौजूद थे। पूजारी का मुकाबला चोरों से हो गया था, तत्समय बदमाशों ने केवल मंदिर में लूटपाट की थी वरन् पुजारी तक की हत्या कर दी थी।

केवल बड़े मंदिरों में लगे हैं केमरे– मंदिरों में चोरियों की घटनाओं पर अंकुश लगाने के मामले की जब पड़ताल की गई तो यह बात सामने आई है कि केवल जो बड़े मंदिर है, उनमें ही सीसीटीवी केमरे लगाए गए हैं। लेकिन, अन्य मंदिरों में केम्मरे लगाने में मंदिर समितियों का रवैया उदासीन है। जिला व पुलिस प्रशासन को मंदिरों में केमरे लगाने के लिए विशेष निर्णय लेने की जरुरत महसूस की जाने लगी है।

पुलिस प्रशासन ने बैठक लेकर केमरे लगाने दी थी हिदायत– पूर्व में पुलिस प्रशासन ने मंदिरों में चोरी की वारदात को लेकर एक बैठक की थी। मंदिर समितियों से जुड़े लोगों को केमरे लगवाने की हिदायत दी थी। इसके बाद कुछ मंदिरों में केमरे लगाए गए, लेकिन समय के साथ यह दिशा निर्देश ठंडे पड़ गए।

दलौदा थाने के एलची गांव में चार मंदिरों पर बोला था धावा, नहीं लगा सुराग...

बता दें कि पिछले माह पूर्व 22-23 जुलाई की दरमियानी रात्रि में दलौदा थाने के एलची ग्राम में बदमाशों ने एक साथ चार मंदिरों में धावा बोला था। बदमाशों ने चारों मंदिरों से सोने–चांदी के आभूषण सहित चढ़ोत्री की राशि पर हाथ साफ कर दिया था। इस घटना को हुए लम्बा समय बीत गया है, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं मिल सका है। यहां भी सीसीटीवी केमरे नहीं थे। बाद में जांच के दौरान एक समाजसेवी ने अपने बल पर देव के घरों में सीसीटीवी केमरे लगाने के लिए एक–एक हजार रूपए की मदद की। गौरतलब है कि चोरों ने एलची गांव में श्री हरि विष्णु भगवान मंदिर, श्री राम जानक मंदिर, एवं राधा कृष्ण मंदिर सहित देवनारायण मंदिर के ताले चटकाए थे। मंदिरों से बालाजी की मूर्ति, दो चांदी की गाय, श्री हरि विष्णु की मूर्ति छोटी चांदी की, गणेश जी की छोटी मूर्ति चांदी की, विष्णु भगवान के मुकुट, लक्ष्मी जी के मुकुट सहित चांदी के आभूषण व मंगलसूत्र बदमाश ले उड़े थे।

बड़े मंदिरों में लगे हैं तड़ित चालक...

मंदसौर शहर सहित जिले के अनेक बड़े मंदिरों में तड़ित चालक भी लगाया गया है। शहर के नालछा माता मंदिर, पशुपतिनाथजी मंदिर एवं तलाई वाले बालाजी मंदिर सहित अनेक मंदिरों में तड़ित चालक लगाया गया है, ताकि आकाशीय बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदा को तड़ित चालक के माध्यम से खत्म किया जा सके। पिछले दिनों में तलाई वाले बालाजी मंदिर में भी तड़ित चालक पुराना होने से यहां नया तड़ित चालक लगाया गया है।

प्रेसवार्ता में खुलासा, सोयाबीन चोर और हत्यारे निकले दो सगे भाई और उनका मामा...

आखिरकार 25 पुलिसकर्मियों ने ढूंढ लिए सुरक्षा गार्ड के हत्यारे

चोरी की सोयाबीन दलौदा मंडी में बेची, यहां गुरुवार को पुलिस ने खंगाले थे केमरे

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बुधवार की अलसुबह गरोठ थाना क्षेत्र के ग्राम नारिया बुजुर्ग में पवन चक्की के सुरक्षा गार्ड विशाल प्रजापति की हत्या कर दी गई थी। मामले में वेयर हाउस से सोयाबीन चुरा कर ले जा रहे तीनों बदमाश ही हत्यारे निकले है। इन्हें 25 पुलिसकर्मियों की टीम ने तत्परता से ढूंढ निकाला है। बदमाशों ने चोरी के बाद मुखबीरी होने की शंका में सुरक्षा गार्ड को मौत के घाट उतार दिया था। हत्या करने के बाद आरोपियों ने चोरी की सोयाबीन को दलौदा आकर यहां की कृषि मंडी में बेच दिया। गुरुवार को पुलिस टीम ने दलौदा मंडी आकर केमरे खंगाले थे। हत्यारों में दो सगे भाई हैं, तथा तीसरा आरोपी उनका मामा है। आज शनिवार को इनका रिमांड लिया जाएगा, जिसके बाद चोरी की अन्य वारदातों के खुलासे होने के भी आसार हैं।

पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने कंट्रोल रूम पर प्रेसवार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि 30 और 31 जुलाई अगस्त की रात करीब साढ़े तीन बजे ग्राम नारिया बुजुर्ग मे क्रेशर के पास कच्चे आम रोड पर पवन चक्की के सुरक्षा गार्ड विशाल प्रजापत पिता देवीलाल प्रजापत उम्र 30 साल निवासी खजुरी रुण्डा थाना गरोठ की चोरों ने हत्या कर दी। चोर पिकअप वाहन में आए थे। सिक्योरिटी गार्ड ने फिल्ड ऑफिसर को चोरों के आने के बारे में मोबाईल से जानकारी दी थी। इसके बाद फिल्ड ऑफिसर ने पुलिस के सूचना दी। लेकिन पुलिस समय पर नहीं पहुंच सकी। इधर आरोपियों के द्वारा धारदार हथियार से सिर, मुंह, चेहरे पर गम्भीर चोंटे पहुंचाकर हत्या कर दी। उन्हें लगा था कि विशाल उनकी मुखबीरी कर रहा है, जबकि उसे यह अंदेशा था कि बदमाश पवन चक्की में कीमती चीजें चोरी करने की नियत से आए हैं।

करीब पांच सौ सीसीटीवी केमरे चैक किए– पुलिस टीमों ने चोरों की तलाश शुरु की। जांच के दौरान ग्राम खजूरी रुण्डा, साठखेड़ा, मेलखेड़ा, बनी, कुरावन, बसई, सीतामऊ, बिलांत्री व दलौदा के रुट में पड़ने वाले करीबन 500 सीसीटीवी कैमरो के फूटेज चैक किए गए। मुखबीरों को अलर्ट किया गया। थाना गरोठ, थाना शामगढ़, थाना सुवासरा थाना भानपुरा के पूर्व के गम्भीर अपराधों में गिरफ्तार आरोपियो की जानकारी निकाली गई।

अंसार नदी पुल के समीप से उठाया हत्यारों को– शुक्रवार को अंसार नदी पुल के पास संदेही द्वारकालाल पिता बापूलाल जाति बागरी 32 साल निवासी बागरी खेड़ा (सेमरोल खेडा) थाना गरोठ एवं उसका भाई राधेश्याम पिता बापूलाल जाति बागरी 24 साल तथा मोहनलाल पिता मांगीलाल जाति बागरी उम्र 42 साल निवासी बागरी मोहल्ला आलमगढ़ शामगढ़ को उठाया गया। पिकअप वाहन के साथ हिरासत में लेकर थाना पर बारीकी से पूछताछ की गई। जिसमें इन्होंने हत्या की वारदात करना कबूल किया।

वेयर हाउस में सोयाबीन चोरी कर आए थे– आरोपियों ने विशाल प्रजापत निवासी खजुरी रुण्डा की हत्या लोहे की टामी व चाकू मारकर करना स्वीकार किया गया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि ग्राम मानपुरा में स्थित सिद्धि विनायक वेयर हाउस से 32 कट्टे सोयाबीन चोरी किए थे। घटना स्थल पर सोयाबीन के कट्टों को खोलकर सोयाबीन को गाड़ी में भरने के उद्देश्य से खड़े थे। यहां मृतक ने गाड़ी को देखा और मोबाईल पर फिल्ड आफिसर को सूचना दी। मुखबीरी के शंका होने पर आरोपियों ने सिक्योरिटी गार्ड की हत्या कर दी।

तैलिया तालाब नहीं हुआ लबालब, आधा सावन बीतने की ओर

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। वैसे तो सावन माह में मानसून की मेहरबानी हो रही है, जिसके चलते नदी व नाले उफने हैं। लेकिन, शहर सहित जिले के अनेक तालाब भी ऐसे हैं, जो लबालब नहीं हो पाए हैं। जिला मुख्यालय स्थित तैलिया तालाब भी आधा अधूरा भर सका है। तैलिया तालाब लबालब नहीं हो पाया है। पूर्व में अगस्त माह के इस समय तक तो तालाब की चादर चलने लगती रही है। यह क्षेत्र एक पिकनिक स्पॉट भी है, इस वजह से यहां घुमने के शौकीन लोग भी आ रहे हैं। वे तैलिया तालाब के लबालब होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि जल की अठखेलियों का लुत्फ उठाया जा सके।

जिलेभर में होती रही बारिश, शहर में सूर्यदेव के नहीं हुए दर्शन...

सावन के सेरे : बूंदाबांदी के साथ रिमझिम बरसते रहे बादल

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में शुक्रवार और शनिवार को मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट किया था। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार शुक्रवार को जिलेभर में कई जगहों पर बारिश का दौर जारी रहा। मंदसौर में बूंदाबांदी तो कभी तेज बारिश का दौर चलता रहा। वहीं सीतामऊ, गरोठ, भानपुरा और शामगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में झमाझम बारिश हुई। शनिवार को भी जिले में गरज चमक के साथ तेज बारिश का अलर्ट है। मौसम वैज्ञानिकों ने प्रदेश के 36 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। अब तक जिले में 17.17 इंच बारिश दर्ज की गई है। चंबल नदी पर बने गांधीसागर बांध का 1297.71 फीट पहुंच गया है। शुक्रवार सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में जिले में आधा इंच बारिश दर्ज की गई है। बीती रात से रिमझिम बारिश का दौर बना हुआ है। अगले दो दिन बारिश होने के आसार है।मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि गुरुवार को मानसून ट्रफ एमपी के ऊपर रही। वेस्ट बंगाल में एक्टिव साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एमपी की ओर आने लगा। एक और साइक्लोनिक सर्कुलेशन नॉर्थ-ईस्ट राजस्थान के ऊपर है। दो अन्य सिस्टम भी एक्टिव हैं। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहा।

शामगढ़ सबसे आगे, मल्हारगढ़ सबसे पीछे– बारिश के मामले में शामगढ़ सबसे आगे है। यहां सबसे ज्यादा बारिश हुई है तो मल्हारगढ़ सबसे पीछे बना हुआ हैं। मंदसौर 300 एमएम, सीतामऊ 447 एमएम, सुवासरा 602 एमएम, गरोठ 460 एमएम, भानपुरा 382 एमएम, मल्हारगढ़ 227 एमएम, धुंधड़का 384 एमएम, शामगढ़ 693 एमएम, संजीत 385 एमएम, कयामपुर 407 एमएम, भावगढ़ 511 बारिश दर्ज की गई है।

शुक्ला कॉलोनी में गिरा विशालकाय पेड़, चार बिजली के पोल हुए क्षतिग्रस्त

मंदसौर, 2 अगस्त गुरुएक्सप्रेस। शुक्रवार को लगातार बारिश के कारण नगर की शुक्ला कॉलोनी में एक विशालकाय पेड धराशायी होकर गिर गया जिससे बिजली के चार पोल क्षतिग्रस्त हो गये जिससे शुक्ला कॉलोनी, पोस्ट ऑफिस रोड सहित आस पास के क्षेत्रो में विद्युत सप्लाय बाधित हो गया। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर बिजली कम्पनी के जेई पियूष पंवार पहुंचे और क्षतिग्रस्त पोलों को व्यवस्थित करवाने में लग गये चूंकि लगातार बारिश हो रही थी इसलिए क्षेत्र में विद्युत सप्लाय बाधित रहा क्योंकि पोलों को पुन: व्यवस्थित करने में परेशानी आ रही थी। पियूष पंवार ने बताया कि बिजली के चार पोल शतिग्रस्त हुये हे जिसमे तीन लोहे के ओर एक सीमेंट का पोल है हमारी टीम मौके पर पहुंच गई थी और सुधारने का काम भी तीव्र गति से प्रारंभ कर दिया था लेकिन लगातार बारिश के कारण समस्याएं आ रही है।

मंडी में बिकने आया था गेहूं, किसानों ने हक जताया, जांच में सही निकले

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मंडी मंदसौर में गुरुवार रात्रि में एक ट्राला भरकर गेहूं बिकने के लिए आया था। शिकायत पर गेहूं के ढेर व ट्राले सहित बोरियों को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाया गया। गेहूं करीब 250 क्विंटल के आसपास रहा था। बताते हैं कि रात्रि में ही कुछ किसान मंडी कार्यालय पहुंचे थे, जिन्होंने गेहूं पर उनका हक बताया था। बाद में उन्हें शुक्रवार सुबह बुलाया गया। शुक्रवार को किसान आए और जांच पड़ताल के बाद पाया गया कि गेहूं किसानों का ही है। उधर, ट्राले में जिन कट्टों में गेहूं भरा था व राजस्थान के सरकारी कट्टे थे। ऐसे में ये कट्टे कैसे पहुंचे और किस तरह से इनकी खरीदारी की गई, यह सवाल मुखर होने लगे हैं।

ब्लड प्रेशर की दवा खाने वालों की जेब कटी, अचानक बढ़े रेट...

ब्लड प्रेशर कंट्रोल से पहले अनकंट्रोल

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। ब्लड प्रेशर की दवाई खाने से पहले ब्लड प्रेशर के मरीजों का बीपी अनकंट्रोल हो सकता है। इसका कारण है दवाईयों के दाम। मधुमेह, बुखार, पेन किलर से लेकर खून बढ़ाने तक की दवाएं अब 10 प्रतिशरत तक महंगी मिलेंगी। पांच माह पूर्व ही 36 तरह की दवाओं की कीमतों में 15-20 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ था। अब दोबारा नए बैच में पेन किलर, ब्लड प्रेशर सहित दो दर्जन दवाएं बढ़े दामों के साथ बिकेंगी। कंपनियां इसकी वजह परिवहन और केमिकल्स के दाम में वृद्धि को बता रही हैं।

दामों पर नियंत्रण जरूरी– केमिस्टों के अनुसार दवाओं के दाम एनपीपीए निर्धारित करता है। दवा के दाम नियंत्रित रखने के लिए शासन स्तर पर पहल होनी चाहिए।

इन पर पड़ा असर– ✻ इंटीजॉल में 7 रुपए की वृद्धि ✻ एसिडिटी सिरप रुपए 6.92 रुपए ✻ बुखार-दर्द की दवा जीरोडॉल रुपए 108.30 से रुपए 119.05 ✻ डेक्सोरेंज सिरप में रुपए 18 ✻ लीवर टॉनिक साइपोन सिरप रुपए 124 से रुपए 136 ✻ थायराइड की टेबलेट रुपए 260.15 से रुपए 291.64 ✻ स्किन क्रीम क्लोबेटेमेल-जी रुपए 40 से रुपए 44

तीन साल में डूबने से दो दर्जन बच्चों की मृत्यु...

डूब रही मासूम जिंदगियां, सरकार चिंतित

[कलेक्टर–एसपी को निर्देश जारी]

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। तीन साल में वैसे तो नदी, तालाबों या नालों में डूबने से कई लोगों की जान चली गई। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें बच्चों की संख्या अधिक है। तीन साल के आंकड़े देखे तो इस तरह के हादसों में करीब 24 बच्चों की मौत हुई है। हालांकि अब सरकार इसको लेकर चिंतित नजर आ रही है। इसको लेकर मंदसौर के साथ ही प्रदेशभर के कलेक्टर और एसपी को निर्देश जारी किए गए है।

मंदसौर जिले में कुछ दिन ही बीतते हैं और जिले के किसी न किसी क्षेत्र में डूबने से बच्चों की मौत की खबर सामने आ जाती है। जिले में हर साल औसत 8 से 10 बच्चों की मौत पानी में डूबने से हो रही है। ढाई साल में करीब एक दर्जन हादसों में 20 बच्चों की डूबने से मौत हो चुकी है। ये वे हादसे में जिनमें एक से अधिक बच्चों की एक साथ मौत हुई। जबकि आधा दर्जन से अधिक ऐसे हादसे भी है जिनमें एक-एक बच्चों की मौत तालाब, नदी, कुओं में डूबने से हुई है। इन हादसों पर शासन, प्रशासन से लेकर नागरिकों को भी गंभीर होने की आवश्यकता है। ताकि इस तरह के हादसों को रोका जाए और पानी में डूब रही मासूम जिदंगियों को बचाया जाए।

तालाब व अन्य जलाशयों में हादसे– कुछ-कुछ समय में तालाब व अन्य जलाशयों में बच्चों के डूबने के हादसे हो रहे हैं। तीन साल में हुए करीब एक दर्जन हादसों में जिलेभर में 24 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। बच्चे तालाब तो कभी पानी के गड्ढों में नहाने के लिए उतरते है लेकिन पानी की गहराई पता नहीं होने के कारण डूब जाते हैं। अब तक हुए हादसों में अधिकांश में यहीं सामने आया है कि बच्चे तालाब व अन्य जलाशयों पर नहाने के लिए पहुंचे थे। ऐसे में अभिभावकों को सतर्क रहना बहुत आवश्यक है। बच्चे जब अकेले तालाब, कुओं व नदी पर जाएं तो विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। ढाई साल में पानी में डूबने से बच्चों की मौत के सबसे अधिक हादसे जून से अक्टूबर माह के बीच ही हुए है, यानि वर्षा के बाद जल स्त्रोतों में पानी ... शेष पेज 4 पर

पानी में डूबने से जिले में हुए ये बड़े हादसे

✻ 21 मार्च 2021 को होली के दिन शामगढ़ के नजदीक ग्राम जूनापानी में स्थित तालाब में तीन दोस्त डूब गए थे। इनमें से एक को तैराक ने बचा लिया था, जबकि दो की मौत हो गई। 17 वर्षीय गोपाल व्यास, 17 वर्षीय विशाल बैरागी व 16 वर्षीय संस्कार तीनों निवासी शामगढ़ होली खेलने के दोपहर में जूनापानी तालाब पर पहुंचे। यहां नहाते समय गोपाल व विशाल की डूबने से मौत हो गई थी। संस्कार को शामगढ़ के तैराक रोशन पंजाबी ने बचा लिया था।

✻ 10 अगस्त 2021 को ग्राम रहीमगढ़ में तालाब में डूबने से आठ वर्षीय गोविंद और 10 वर्षीय लखन की मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे। दोनों बच्चे साइकिल से तालाब के पास खेलने गए थे और वहां तालाब में जाकर नहाने लगे। वहीं गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए। बाद में ग्रामीणों ने तालाब से बच्चों को बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

✻ 2 सितम्बर-2021 को सुवासरा क्षेत्र के ग्राम धनवाड़ा में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इस घटना में आठ वर्षीय अक्षय पुत्र जितेन्द्र बंजारा, सात वर्षीय पुत्र कान्हा उर्फ किशन बंजारा गांव में ही स्थित तालाब पर नहाने गए थे। नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में पहुंचे और डूब गए थे। लोगों की मदद से दोनों बच्चों को निकाला गया, तब तक डूबने से उनकी मौत हो चुकी थी।

✻ 4 सितंबर-2021 को जूनापानी गांव के तालाब में डूबने से आठ वर्षीय विशाल और 10 वर्षीय वर्षा की मौत हो गई थी। दोनों बच्चे खेलते-खेलते तालाब के पास चले गए थे। यहां गहरे पानी में जाने से वे डूब गए। लोगों ने दोनों को पानी से निकाला, लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी।

✻ 2 जनवरी 2022 को चंदवासा चौकी क्षेत्र के ग्राम तोलाखेड़ी में चंबल नदी का बेकवाटर पार कर दर्शन करने जा रही तीन महिलाओं की ... शेष पेज 4 पर

मामला अपना घर से अपहृत दो नाबालिग युवतियों का...

युवतियों का सुराग नहीं लगा, फिर नीमच पहुंची टीम

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अपना घर से 20 जुलाई की अलसुबह दो नाबालिग युवतियों भाग गई थीं, यानी बाहर इंतजार कर रहे दो बाईक पर सवार युवकों ने उनका अपहरण किया था। नई आबादी थाने में गुमशुदगी के बाद अपहरण की धाराओं में प्रकरण दर्ज हुआ, लेकिन इस घटना को हुए 14 दिन बीत गए हैं। अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं। बताया गया है कि चार युवकों में से एक का नाम गोलू है, जो चारों युवकों का मुखिया भी है। पुलिस अपहरण कर्ताओं की तलाश में नीमच और कपासन तक जा चुकी है। यहां छानबीन भी की गई है। गुरुवार को एक बार और थाने की टीम ने नीमच जाकर पतारसी की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका है। मोबाईल बंद होने से क्लू नहीं मिल पा रहा है। लेकिन, पुलिस टीमें सतर्क होकर सुराग जुटाने की कोशिश में है। हालांकि, 14वें दिन भी कोई सुराग नहीं लगने पर पुलिस को और सक्रियता बढ़ाने की जरूरत महसूस हो रही है।

बता दें कि 20 जुलाई की अलसुबह दीवार फांदकर दो नाबालिग युवतियां भागी थीं। इसका सीसीटीवी फूटेज भी वायरल हुआ था, जिसमें चार युवक दिखाई दिए। अपना घर में निर्माण कार्य चल रहा था, इसके चलते युवतियों को भागने में आसानी रही। तत्समय अन्य लड़कियों ने भी शोर किया था। ऐसे में यदि तत्परता उस समय ही बरती जाती तो संभावना थी कि आरोपी पकड़ में आ जाते। उधर, आरोपी पहले से ही योजना बनाकर आए थे, ऐसे में वे योजना बनाकर ही नाबालिग ... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

लगातार हो रहे रेल हादसों की गवाह बनीं पटरियां

यह भी छिपी बात नहीं है कि रेल सेवाओं में बेहतरी के दावों के बीच इस पर अपेक्षित खर्च नहीं हो पाता। रेल की ज्यादातर पटरियां पुरानी हो चुकी हैं, उन पर गाड़ियों का बोझ लगातार बढ़ते जाने की वजह से वे खतरनाक साबित होती हैं। उन्हीं पटरियों पर तेज रफ्तार गाड़ियां भी चलाने की कोशिश की जा रही है। विचित्र यह है कि मौजूदा रेल मंत्री के कार्यकाल में लगातार हादसों के बावजूद उनकी सेहत पर मानो कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। रेल हादसों पर विराम लगाने के दावे तो खूब बढ़-चढ़ कर किए जाते हैं, पर हकीकत यह है कि इनमें लगातार बढ़ोतरी ही देखी जा रही है। पिछले एक वर्ष में कई गंभीर रेल दुर्घटनाएं मामूली सावधानियां न बरती जा सकने की वजह से हो गईं। अभी मुंबई से हावड़ा जा रही गाड़ी के अठारह डिब्बे झारखंड के चक्रधरपुर में इसलिए पटरी से उतर गए कि चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। वह गाड़ी जिस रास्ते से आ रही थी, वहां पहले ही एक मालगाड़ी पटरी से उतर चुकी थी। अब रेल मकमा इस बात की जांच कर रहा है कि मुंबई-हावड़ा मेल के चालक को मालगाड़ी पलटने के बारे में सूचना दी गई थी या नहीं। गनीमत है कि इस हादसे में बहुत बड़ा नुकसान नहीं हुआ। दो लोगों की मौत और आठ लोगों के घायल होने की सूचना है। अठारह बोगियों के पटरी से उतरने का मतलब है कि यह हादसा और बड़ा हो सकता था। पिछले वर्ष ओड़ीशा के बालासोर में तीन गाड़ियों के टकराने से हुए हादसे के वक्त से गाड़ियों के चालन में सुरक्षा उपायों को चुस्त बनाने पर जोर दिया जा रहा था। मगर उसके बाद भी एक के बाद एक कई बड़े हादसे हो गए। पिछले एक महीने में ही तीन बड़े हादसे हो गए। रेल हादसों की वजहें किसी से छिपी नहीं हैं। हर बार यह संकल्प दोहराया जाता है कि जल्दी ही हर गाड़ी में टकररोधी उपकरण लगा लिए जाएंगे, जिससे हादसों पर रोक लग सकेगी। मगर लगातार हो रहे हादसों की प्रकृति को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि अकेले टकररोधी उपकरण से इस समस्या पर पूरी तरह अंकुश लग पाएगा। रेलवे का दावा है कि अनेक मार्गों पर कंप्यूटरीकृत संचालन प्रणाली लगा दी गई है। पटरियां बदलने और संकेतक आदि के लिए आधुनिक उपकरण लगा दिए गए हैं। मगर देखा गया है कि इनके ठीक से काम न करने या इनका संचालन ठीक से न किए जाने के कारण ही अक्सर हादसे हो जाते हैं। आखिरकार आधुनिक उपकरणों का संचालन भी मानवीय रूप से किया जाता है। एक तरफ तो हम तेज रफ्तार और सुविधाजनक गाड़ियां चला कर हवाई सेवाओं पर बढ़ते बोझ को कम करने का दावा करते हैं, दूसरी तरफ पटरियों और संचालन प्रणाली पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पाते। यह भी छिपी बात नहीं है कि रेल सेवाओं में बेहतरी के दावों के बीच इस पर अपेक्षित खर्च नहीं हो पाता। रेल की ज्यादातर पटरियां पुरानी हो चुकी हैं, उन पर गाड़ियों का बोझ लगातार बढ़ते जाने की वजह से वे खतरनाक साबित होती हैं। उन्हीं पटरियों पर तेज रफ्तार गाड़ियां भी चलाने की कोशिश की जा रही है। विचित्र यह है कि मौजूदा रेल मंत्री के कार्यकाल में लगातार हादसों के बावजूद उनकी सेहत पर मानो कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। देश के करोड़ों लोग आज भी रेलों पर ही निर्भर हैं। माल ढुलाई का बड़ा हिस्सा रेलों से होता है। ऐसे में रेल मार्गों को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की अपेक्षा स्वाभाविक है। मगर निजी कंपनियों को जिम्मेदारी सौंप कर सरकार स्टेशनों के सौंदर्यीकरण पर ही जोर देती अधिक नजर आती है। पटरियों और रेल संचालन के आधुनिकीकरण को लेकर उतनी गंभीर नहीं है। इसी की वजह से न केवल रेलवे को हर वर्ष बड़ी संपत्ति का नुकसाना उठाना पड़ता, बल्कि बहुत सारे परिवारों को जीवन भर की पीड़ा झेलनी पड़ जाती है।

आरक्षण पर अब बिहार सरकार के सामने क्या है पेंच

संतोष सिंह

पिछले साल बिहार सरकार ने ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण सीमा को 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी कर दिया था, जिसे हाल ही में पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। इसके बाद बिहार सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अब केंद्र से इस कोटा वृद्धि को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कराने की कोशिश करेगा। दरअसल, हाल ही में हुए विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सदन को बताया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य सरकार के कोटा वृद्धि के फैसले को नौवीं अनुसूची में शामिल करने का अनुरोध किया था। नौवीं अनुसूची में शामिल कानूनों को अदालतों में चुनौती नहीं दी जा सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने मामले को सितंबर में अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा कि वह कोई अंतरिम राहत नहीं देगी। जेडीयू के सलाहकार और राष्ट्रीय प्रवक्ता के सी त्यागी ने द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान कहा, इस मामले में अब हमारे पास बहुत कम विकल्प बचे हैं। केंद्र को इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की हमारी मांग पर विचार करना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर जेडीयू सहयोगी भाजपा पर दबाव बनाए रख सकती है, त्यागी ने कहा, हम दबाव की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं। आइए हम चीजों को व्यापक दृष्टिकोण से परखें। नौवीं अनुसूची के अंतर्गत 284 आइटम शामिल हैं। बिहार के मामले को ध्यान से देखने की जरूरत है। आर्थिक आधार पर कोटा (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण) लागू होने के बाद एक नई बहस छिड़ गई है। अब ईडब्ल्यूएस को जाति-तटस्थ बनाने की मांग की गई है। बिहार जैसे राज्य में जहां जाति की राजनीति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जेडीयू के लिए कोटा वृद्धि के अपने फैसले को बनाए रखना एक राजनीतिक अनिवार्यता है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐसे समय आया है जब आरजेडी जेडीयू पर दबाव डाल रही है कि वह बीजेपी पर नौवीं अनुसूची कवर के साथ कोटा बढ़ोतरी का दबाव बनाए। आरजेडी का कहना है कि लोकसभा में भाजपा पहले से कहीं अधिक जेडीयू और टीडीपी पर निर्भर है। इस बीच चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी अपनी पार्टी लॉन्च करने वाले हैं। उन्होंने कहा है कि वह पांच सामाजिक समूहों- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी), मुस्लिम और सामान्य वर्ग को आनुपातिक कोटा

प्रदान करेगी। जेडीयू के एक नेता ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, हालांकि हम प्रशांत किशोर की बात को खारिज कर सकते हैं लेकिन पार्टी संरचना में उनकी आनुपातिक प्रतिनिधित्व की बात केवल समाजवादियों की ओबीसी और ईबीसी पर ध्यान केंद्रित करने की मूल नीति को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा, पिछले 34 सालों से समाजवादी राज्य और जाति-पश्चात सर्वे का नेतृत्व कर रहे हैं। कोटा सीमा बढ़ाना शायद आखिरी मास्टरस्ट्रोक था जो हम खेल सकते थे लेकिन अब जब यह कानूनी पचड़ों में फंस गया है तो हमें अपनी राजनीति की लंबी उम्र के लिए मुद्दों को जीवित रखने के तरीके खोजने होंगे। आरजेडी ने कहा कि राज्य सरकार को अपने मामले की मजबूती से पैरवी नहीं करने की अपनी कमी को स्वीकार करना होगा। आरजेडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध कुमार ने कहा, राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने सही दलीलें रख सकती है। इंदिरा साहनी मामला जो 50 फीसदी कोटा सीमा की बात करता है और उस राज्य को स्पेशल केयर देने पर भी चर्चा की गुंजाइश छोड़ता है जिसका राष्ट्रीय औसत बहुत खराब है। मानव विकास सूचकांक के मामले में बिहार कई वर्षों से 32वें स्थान पर है। हम इस पॉइंट पर खेल सकते थे। राजद नेता ने कहा कि सत्तारूढ़ एनडीए में जद (यू) को जो लाभ प्राप्त है, उसे देखते हुए वह नरेंद्र मोदी सरकार पर खींचतान और दबाव के माध्यम से कोटा वृद्धि के लिए नौवीं अनुसूची कवर सुनिश्चित कर सकता है। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र से यह रियायत प्राप्त करना जद (यू) के लिए करने की तुलना में आसान होगा। एक बीजेपी नेता ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, यह सच है कि हमने जाति सर्वे का समर्थन किया था और कोटा बढ़ाने का विरोध नहीं किया था लेकिन इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग से भानुमती का पिटारा खुल सकता है क्योंकि अन्य राज्यों से भी ऐसी ही मांगें आने लगेंगी। यह अब बहुत पेचीदा मुद्दा है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने बिहार जाति सर्वे 2022-2023 के बाद नवंबर 2023 में कोटा सीमा बढ़ा दी। उस समय जेडीयू इंडिया गठबंधन का हिस्सा था, जिसके लिए राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना एक प्रमुख मुद्दा था। अब एनडीए में वापस आने के बाद जेडीयू इस मामले पर सावधानी से आगे बढ़ रही है।

बाढ़ के पानी का प्रबंधन कौन करे

दो -तीन दिन पहले की बात है। एक स्थान से गुजर रही थी, तो वहां एक बड़ा होर्डिंग लगा देखा। जिस पर लिखा था कि वर्षा जल की एक-एक बूंद बचाना जरूरी है। ऐसे विज्ञापन अक्सर ही नजर आते हैं। अपनी मूल प्रतिज्ञा में यह बात बहुत अच्छी भी लगती है। वैसे भी अपने यहां कहावत है कि बूंद-बूंद से घट भरे। दशकों से यह घोषणा भी की जाती रही है कि अगला विश्व युद्ध पानी के लिए ही होगा। भारत में जल संचयन की विविध तकनीकें पहले से ही मौजूद हैं। राजस्थान जहां सबसे कम बारिश होती है वहां की जल संचयन की प्रविधियों के बारे में मशहूर पर्यावरणविद् स्वर्गीय अनुपम मिश्र ने 2 अद्भुत पुस्तकें लिखी थीं। 'आज भी खरे हैं तालाब' और 'राजस्थान की रजत बूंदें'। अनेक संस्थाएं भी पानी बचाने की तमाम विधियों पर काम करती हैं। बुंदेलखंड में पानी बचाने के लिए खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़ जैसे नारों का बोलबाला है। पहाड़ों में भी पानी के संचयन की अनेक तरकीबें मौजूद रही हैं। मगर अफसोस की बात है कि ये सब तकनीकें तथाकथित विकास की भेंट चढ़ चुकी हैं। जिन नदियों को हम देवी मानते हैं, पूजते हैं, उन्हें इस कदर प्रदूषण झेलना पड़ रहा है कि बहुत-सी नदियों का पानी ई-लैबल तक का नहीं रहा है। यानी कि पीने की बात छोड़िए वह जानवरों को नहलाने तक के लिए अनुपयोगी है। इनमें गंगा और यमुना जैसी नदियां भी शामिल हैं।

लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं राजनीतिक टकराव

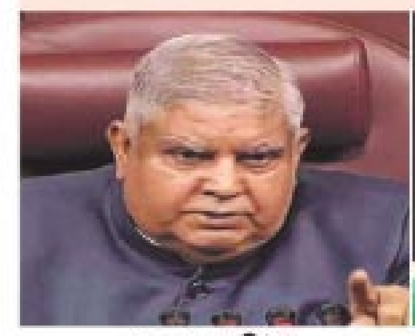

राज कुमार सिंह

प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा न मानें लेकिन बहुमत के आंकड़े से 32 सीटें पीछे छूट जाने और सरकार की स्थिरता के लिए तेलगू देशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल यूनाइटिड , (जद-यू) और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) जैसे सहयोगियों पर निर्भरता का असर साफ दिख रहा है। 543 की लोकसभा में 240 सीटों पर सिमट जाने से भाजपा का डगमगाया आत्मविश्वास नई संसद के पहले विशेष सत्र में भी साफ दिखा था, जब 234 सीटें जीत लेने वाला विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' हर मौके पर सरकार पर हमलावर नजर आया। 10 साल बाद संसद में ऐसा नजारा दिखा। ध्यान रहे कि 10 साल बाद ही विपक्ष को, राहुल गांधी के रूप में नेता प्रतिपक्ष मिला है। 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मोदी बनाम राहुल का जो टकराव नजर आया था, वह बजट सत्र में और भी ज्यादा तीखा होता दिख रहा है। बेशक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के बीच मंत्रियों द्वारा लगातार टोकाटाकी और प्रधानमंत्री के जवाब के बीच विपक्ष की लगातार नारेबाजी को उचित नहीं माना जा सकता। ऐसा लगता है कि संसदीय परंपरा और मर्यादा अब बीते जमाने की बातें बन कर रह गई हैं। इसलिए आश्चर्य नहीं कि हम संसद के बजट सत्र में भी सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच उसी टकरावपूर्ण व्यवहार का विस्तार देख रहे हैं। कोई भी यह स्वीकार करने को तैयार नहीं कि संसद देश और समाज के हित में काम करने के लिए है, ऐसा पहली बार नहीं है कि सत्तापक्ष अपने बजट को देश के सर्वांगीण विकास का दस्तावेज बता रहा है तो विपक्ष उसे दिशाहीन करार दे रहा है, पर बिहार और आंध्र प्रदेश को विभिन्न मदों में लगभग एक लाख करोड़ की विशेष सहायता की घोषणाओं ने वर्ष 2024-25 के बजट को राजनीतिक 'एंगल' दे दिया है। इसी को मुद्दा बनाते हुए विपक्ष ने इसे 'कुर्सी बचाओ बजट' करार दिया और संसद परिसर में प्रदर्शन भी किया। भाजपा के बहुमत से 32 सीटें पीछे 240 पर सिमट जाने से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली यह तीसरी केंद्र सरकार, खासकर तेदेपा और जद (यू) के समर्थन पर टिकी है। दोनों ही राज्य लंबे समय से अपने लिए विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज मांगते रहे हैं। तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू तो इसी मांग पर 2018 में राजग छोड़ कर विपक्ष के खेमे में चले गए थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी अलग-अलग मुद्दों पर कई बार पाला बदल चुके हैं। इस बार जब तेदेपा और जद (यू), राजग में लौटे तो राजनीतिक जरूरतों के अलावा सरकार बनने पर विशेष आर्थिक मदद की उम्मीद भी बड़ा कारण रही। मौजूदा प्रावधानों के मुताबिक बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता। मोदी सरकार ने बजट से पहले ही तेदेपा और जद (यू) को यह संदेश दे दिया, लेकिन फिर भी बजट में बिहार और आंध्र को कई मदों में मिला कर लगभग एक लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता का ऐलान बताता है कि दबाव में और सत्ता की खातिर यह रास्ता निकाला गया है। इतनी बड़ी राशि देने के लिए कहीं-न-कहीं बड़ी कटौतियां भी की गई होंगी। बजट भाषण में नाम न लिए जाने का यह अर्थ हरगिज नहीं कि अन्य राज्यों को कुछ नहीं दिया गया, पर विपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ और वॉकआउट कर गया। ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल को केंद्रीय मदद पर श्वेत पत्र की मांग कर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। नोटबंदी और प्रधानमंत्री का उल्लेख करने पर स्पीकर ओम बिड़ला द्वारा टोके जाने पर अभिषेक बनर्जी ने जिस तरह उन्हें निष्पक्षता की याद दिलाई।

ताकि वकील बनने के लिए भी लालायित हों योग्य युवा

विधि शिक्षा की नीति निर्धारण करने वाली सर्वोच्च संस्था, 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' ने सभी राज्य सरकारों और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र लिखकर विधि शिक्षा के अंधाधुंध विस्तार पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बार काउंसिल ने विधि शिक्षा के अत्यधिक विस्तार पर अंकुश लगाने के अनुरोध की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया है। ध्यान रहे, विगत कुछ वर्षों में राज्य सरकारों ने 300 नए विधि महाविद्यालय खोलने की अनुमति दी है। विधि शिक्षा हमारे देश की पूरी व्यवस्था की रीढ़ की तरह है। फिलहाल विधि महाविद्यालयों की संख्या 1,800 से अधिक है, जिनमें करीब 1,200 कॉलेज निजी क्षेत्र में, 500 से ज्यादा कॉलेज सरकारी क्षेत्र में और लगभग 100 कॉलेज अर्द्ध-सरकारी क्षेत्र में हैं। यूं तो भारत में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की कमी और आधारभूत मानकों की अवहेलना पर राष्ट्रीय स्तर की चर्चा होती रही है, किंतु विधि शिक्षा की गिरावट सभी हदों को तोड़ती रही है। आज अगर सभी क्षेत्रों में गिरावट या कमी दिख रही है, तो इसकी एक बुनियादी वजह कमजोर विधि शिक्षा भी है। बार काउंसिल के नए प्रयास अगर साकार होते हैं, तो असर देश में सभी क्षेत्रों पर पड़ेगा। आज कोई भी शहर देख लीजिए, वकीलों की दयनीय स्थिति कई बार मजाक का विषय बन जाती है। विधि शिक्षा के महत्व को आज उच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है। इसे हम अपने गणतंत्र, संसदीय व्यवस्था, संविधानवाद, नागरिकों के मूलभूत अधिकार, स्वाधीनता, बालिग मताधिकार और सब प्रकार के भेदभाव पर सांविधानिक निषेध से जोड़कर देख सकते हैं। जरा सोचिए, उपरोक्त व्यवस्थाओं को निर्मित करने वाले हमारे राष्ट्र निर्माता कौन थे और वे किस पेशे से जुड़े थे और कौन-सी शिक्षा उन्होंने ग्रहण की थी? महात्मा गांधी जवाहरलाल नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, भीमराव आंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मदन मोहन मालवीय, मोतीलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और सी राजगोपालाचारी जैसे राष्ट्रीय नेताओं ने कानून की बेहतरीन शिक्षा ली थी और वकालत के पेशे से जुड़े थे। क्या आज स्तरहीन कानून की शिक्षा लेकर वकील बनने वाले लोग हमारे सांविधानिक ढांचे की उचित रखवाली और कानून के शासन के व्याख्याता बन सकते हैं? यही कारण है कि यहां बार काउंसिल की चिंताएं समीचीन जान पड़ती हैं। हम 2047 तक एक विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। क्या कानूनी शिक्षा की मौजूदा हालत को सुधारे बिना और वकालत के पेशे को सुदृढ़ किए बिना विकसित भारत = 2047 का सपना साकार किया जा सकता है? हमें उन चुनौतियों से रूबरू होना पड़ेगा, जिनका सामना आज कानूनी शिक्षा और वकालत का पेशा कर रहा है। इंजीनियरिंग में आईआईटी, प्रबंधन में आईआईएम और चिकित्सा में एम्स की तरह विधि शिक्षा में उच्च मानक स्थापित करने के लिए 1990 के दशक में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी स्थापित करने का निर्णय लिया गया था। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों की संख्या अब 27 हो चुकी है। चूंकि इनकी स्थापना सरकारों द्वारा विधिवत समुचित संसाधनों से की गई, अतः आज ये चमकते सितारे बन चुके हैं। इनके स्नातकों की मांग देश-विदेश में बढ़ती जा रही है। इनकी प्रसिद्धि का एक कारण तीन वर्ष की लॉ डिग्री न देकर पांच वर्षीय एकीकृत डिग्री देना भी रहा है। क्या इन राष्ट्रीय संस्थानों जैसी गुणवत्ता देश के सभी 1,800 विधि संस्थानों में बहाल की जा सकती है? भारत के इंजीनियर, डॉक्टर और प्रबंधकों की दुनिया भर में मांग है, ठीक ऐसे ही विधि विशेषज्ञों की भी मांग होनी चाहिए।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में आवेदक की उपस्थिति अनिवार्य नहीं-संभागायुक्त

संभागायुक्त गुप्ता ने मंदसौर, मल्हारगढ़ तहसील कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार उज्जैन संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता के मार्गदर्शन में उज्जैन संभाग के समस्त राजस्व जिलों में राजस्व महाअभियान 2.0 का सफल और सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। संभागायुक्त श्री गुप्ता संभाग के जिलों में भ्रमण कर राजस्व न्यायालयों में अभियान के क्रियान्वयन की सतत मॉनीटरिंग कर रहे हैं। इसी क्रम में संभागायुक्त श्री गुप्ता ने मंदसौर जिले स्थित तहसील मंदसौर ग्रामीण व तहसील मंदसौर शहर कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर तहसील न्यायालयों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण कि विस्तृत समीक्षा की। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने राजस्व अभियान 2.0 के प्रगतिशील कार्यों ईकेवायसी, एनपीसीआई, अनलिंक्ड खसरा एवं नक्शा, शुद्धिकरण पखवाड़े की कोर्ट वार समीक्षा की।

तहसील कार्यालय मंदसौर शहर में 63 राजस्व प्रकरणों के आदेशों का अमल लंबित होने पर तहसीलदार को 24 घंटे में सभी आदेशों को पटवारियों से अमल करवाने और अमल न होने पर नोटिस देने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना अंतर्गत किए गए कार्य कि भी

विस्तृत समीक्षा की और 72 ग्रामों कि पेंडिंग आरओआर एंट्री तहसील कार्यालय में पटवारियों को बैठाकर पूर्ण करवाने को निर्देशित किया। तहसील कार्यालय मंदसौर ग्रामीण के निरीक्षण में राजस्व प्रकरणों में 50% से कम निराकरण दर पर नाराजगी व्यक्त कि। इसी के साथ तहसीलदार द्वारा अविवादित बंटवारे में 12 तारीखे लगाने के बाद भी आदेश ना होने पर फाइन लगाने की चेतवानी दी और निराकरण त्वरित करने को निर्देशित किया। इसके बाद संभागायुक्त श्री गुप्ता ने तहसील कार्यालय मल्हारगढ़ का निरीक्षण किया और राजस्व प्रकरणों कि कार्यवाही में संपूर्ण पारदर्शिता लाने को कहा। इसी क्रम में नायब तहसीलदार कार्यालय मलहरगढ़ का भी निरीक्षण किया। स्वामित्व योजना अंतर्गत किए जा रहे कार्यों कि समीक्षा कर एसडीएम मंदसौर को कार्य जल्द पूर्ण करने को निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री गुप्ता ने राजस्व प्रकरणों में निराकरण के लिए आवेदक की उपस्थिति को जरूरी ना करने, साइबर तहसील अंतर्गत भौतिक दास्तेवाजों की जरूरत नहीं होने, राजस्व वसूली में तेजी लाने, लोक सेवा ग्यारंटी केंद्र से प्राप्त समयावधि के कार्यों कि नामांतरण, बंटवारा, आय, जाति प्रमाण पत्र का तय समय सीमा में निराकरण किये जाने एवं कोई भी प्रकरण समय सीमा से बाहर नही रहें इसका विशेष ध्यान रखने के लिए निर्देशित किया।

जन-सामान्य को राजस्व संबंधी समस्याओं में परेशानी ना हों- संभागायुक्त श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व महाअभियान अन्तर्गत नामांतरण, बंटवारा, नक्शा तरमीम, अभिलेख दुरूस्ती आदि राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित कराएं, ताकि जन-सामान्य को अपनी राजस्व सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि सभी अपने क्षेत्र में राजस्व प्रकरणों के निराकरण कि बारिकी से निगरानी करें। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त राजस्व श्री रंजीत कुमार, मंदसौर एडीएम श्रीमती एकता जयसवाल, उपायुक्त भू-अभिलेख श्रीमती गरिमा रावत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बेटे ने मां को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बेटे ने मां को पीटा, पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। चंदवासा निवासी कैलाशीबाई पति रामेश्वर बावरी ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बडे बेटे गोविन्द ने मुझसे 20 हजार रुपए मांगे, मैंने मना किया तो गाली-गलौज की व लकडी से पीटा। बीच-बचाव करने आए पति रामेश्वर को भी चोंटे आई। पुलिस ने गोविन्द के खिलाफ केस दर्ज किया।

अनुराग जनजागरण पदयात्रा कल

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जल संवर्धन, स्वच्छता, व पर्यावरण के लक्ष्य को लेकर मन्दसौर नगर से अनुराग (प्रेम) रखने वाले गणमान्य नागरिकों के मार्गदर्शन में पदयात्रा निकाली जाएगी। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निकाली जाने वाली पदयात्रा दिनांक 4 अगस्त 2024, रविवार को प्रात: ठीक 8.30 बजे हीरा की बगीची, महाराणा प्रताप बस स्टैण्ड, मन्दसौर के पास से प्रारम्भ होकर मोतिया खाई, जमीदार कॉलोनी, हजारी नगर, सत्यम विहार, नाकोड़ा नगर व श्याम नगर क्षेत्र में भ्रमण करेगी। पैदल चलने में असमर्थ महानुभाव प्रात: 9 से 9.15 के मध्य एकत्रीकरण स्थल हीरा की बगीची, महाराणा प्रताप बस स्टैंड के पास, मन्दसौर पर पधारकर आमजन हित के इस अभियान को अपना नैतिक समर्थन अवश्य प्रदान करें।

डाकघर में लापरवाही के चलते परेशान खाताधारक

पिपलियामंडी, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय डाकघर में अधिकारियों व कर्मचारियों की उदासीनता के चलते लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। जान बुझकर खाताधारकों को टालने की कौशिश की जा रही है। बरखेड़ा जयसिंह निवासी चन्द्रपालसिंह शक्तावत ने बताया कि सुबह 10 बजे पोस्ट ऑफिस में अपनी पत्नी व आठ माह की बेटी को लेकर पोस्ट ऑफिस गए। खाते में जमा 20 हजार रुपए निकालने थे, इसके अलावा करीब 15 खाताधारक और थे, जिन्हें लेन-देन संबंधी कार्य था। पहले तो कहा कि अभी केश नही है, दो घंटे लगेंगे। बाद में कहा कि अभी मिटिंग चल रही है, दो बजे तक आना। इस तरह करीब 4 घंटे तक खाताधारकों को परेशान किया गया। शक्तावत ने खाताधारकों को परेशान करने वाले लापरवाह अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर डाकघर के हेल्पलाइन नम्बर पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

स्तनपान के संबंध में स्वास्थ्य विभाग बेहतर प्लान बनाएं-कलेक्टर

जिला अस्पताल में मरीजों को रेफर करने की तुलना में बेहतर इलाज पर काम करें

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग की अध्यक्षता में दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि, स्तनपान के संबंध में स्वास्थ्य विभाग बेहतर प्लान बनाएं, साथ ही घर-घर जाकर महिलाओं को इसके लिए जागरूक करें। बच्चों के शारीरिक विकास में स्तनपान कितना महत्वपूर्ण है, इसके संबंध में विस्तृत जानकारियां महिलाओं को आशा के माध्यम से दी जानी चाहिए। यह स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर सभी बच्चे स्तनपान करते हैं, तो उनको कुपोषण जैसी बीमारियां नहीं होगी और सभी बच्चे भी स्वस्थ रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि, जिला अस्पताल में मरीजों को रेफर करने की तुलना में बेहतर इलाज पर काम करें। साथ ही अगर कोई समस्या है, तो उसका समाधान भी करना विभाग की स्वयं की जिम्मेदारी है। दस्तक अभियान में 100 प्रतिशत बच्चों की स्क्रीनिंग करे, कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन करे तथा बाल्यकालीन बीमारीयॉ एनिमियॉ, डायरिया, निमोनिया, जन्मजात विकृति के बच्चों की स्कीनिंग की जाए। विश्व स्तनपान सप्ताह 1 अगस्त से 7 अगस्त तक जिले में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें जिले के अधिकारी माईक्रोप्लान अनुसार प्रतिदिन डिलेवरी पांईट में जाये तथा मॉनिटरिंग करे। जिले में डेंगू मलेरिया, कालरा की रोकथाम हेतु प्रत्येक विकासखण्ड में 2-2 चिकित्सकीय दल (कांबेट टीम) बनाए। जिन क्षैत्रों में डेंगू, मलेरिया, कालरा के मरीज मिलते है, तो तत्काल कार्यवाही करे तथा प्रतिदिन रिपोर्ट IDSP यूनिट में भेजे।

आईजा मंदसौर जिला कार्यकारिणी गठित

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक हुण्डिया के परामर्श एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप बाफना, प्रदेश महासचिव दीपक दुग्गड एवं प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर जैन की अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष विजेंद्र फांफरिया द्वारा नवीन जिला कार्यकारणी गठित की गई। जिसमें संरक्षक की भूमिका में सुरेंद्र लोढ़ा, बलवंत फांफरिया, अनिल नाहर, संजय लोढा, अजय लोढ़ा, अनिल जैन रहेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर विकास सुराणा दलौदा, उपाध्यक्ष जितेश जैन मंदसौर, सचिव सचिन जैन मंदसौर, कोषाध्यक्ष शुभम धोका दलौदा, सहसचिव विपिन सेठी एवं अमित हरसौला भानपुरा, मीडिया प्रभारी ऋषभ दक नारायणगढ़, संगठन मंत्री पंकज पामेचा नारायणगढ़ एवं कार्यकारिणी सदस्य हिम्मत जैन सीतामऊ, डॉक्टर लाल बहादुर जैन अफजलपुर, राहुल तलेरा मंदसौर, मनीष जैन सुवासरा, संयम पामेचा, विकास जैन बिल्लोद, राजकुमार जैन नगरी, पंकज जैन टकरावद, तन्मय रूंगरेचा नारायणगढ होंगे। उक्त जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी अनुप भंडारी मेघनगर द्वारा दी गई एवं प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा सभी नवीन पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई।साथ ही बताया गया की सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को इंदौर में आयोजित होने वाली शपथ विधि समारोह में शपथ दिलाई जाएगी।

प्रदेश का पहला मामला, विदेशी कम्पनियों में जमा धोखाधड़ी का...

43.77 लाख रुपया वापस भारत लाया गया

रतलाम, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। एमटीएफई कंपनी द्वारा निवेश कर कम समय में अधिक लाभ कमाने का लालच देकर लोगों के साथ करोड़ों रुपयों की धोखाधडी करने के बहुचर्चित मामले में रतलाम पुलिस ने बडी सफलता हासिल की है। पुलिस ने करीब एक वर्ष की मेहनत के बाद विभिन्न विदेशी कंपनियों में जमा धोखाधडी का 43.77 लाख 503 रुपये (भारतीय मुद्रा) वापस भारत लाया गया है। उक्त रुपया सरकारी खाता खोलकर उसमें जमा कराया गया। जापान व सिंगापुर बेस्ड कंपनियों से 108 करेंसी में उक्त रुपया देश में वापस लाने का मध्यप्रदेश में यह पहला मामला है।

एसपी राहुल कुमार लोढा ने शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में बताया कि एक वर्ष पहले एमटीएफई क्रिप्टो करेंसी फ्राड के जिले में दो मामले दर्ज किए गए थे। एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे, जावरा सीएसपी दुर्गेश आर्मो के मार्गदर्शन में जावरा औद्योगिक क्षेत्र, स्टेशन रोड थाना व सायबर सेल की संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। टीम ने कार्रवाई करते हुए अगस्त 2023 में आरोपित हुजैफा जमाली बोहरा निवासी नीमच, वाजिद व वसीम दोनों निवासी जावरा, गोविंदसिंह चंद्रावत निवासी ग्राम तुमरी (मंदसौर) व संदीप टांक निवासी प्रतापगढ (राजस्थान) सहित सात

आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सितंबर 2023 में एमटीएफई से जुड़ी कंपनी कलिन स्केम प्रायवेट लि. के मालिक आरोपित योगानंदा बांबोरे निवासी बैंगलुरू (कर्नाटक) को भी गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान निवेशकों को दिए गए एमटीएफई के क्यूआर कोड/टीआरसी -20 के एड्रेस एकत्र किए गए। मंदसौर, रतलाम, धार, नीमच, रतलाम, उज्जैन व राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के 373 पीड़ितों ने क्यूआर कोड़ जमा कराए थे। इनमें रतलाम जिले के 266 पीड्ति शामिल थे, जिनसे 1.43 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। एमटीएफई फ्राड में संलिप्त कलिन कंपनी के डायरेक्टर योगानंदा बमोरे से पूछताछ कर बाइनेंस हुओबी टीआरसी 20 आदि क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज प्लेटफार्म की जानकारी ली गई।

अनेक देशों में पाया गया फ्राड– विभिन्न माध्यमों से जानकारी प्राप्त कर पुलिस ने करीब 10.48 लाख टीआरसी 20 के एड्रेस प्राप्त किए, जिनमें एमटीएफई क्यूआर कोड द्वारा बडी मात्रा में रुपयों का लेनदेन अलग-अलग देशों से करना पाया गया। इनका एनालिसिस करने पर एमटीएफई द्वारा भारत के अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान व नाइजीरिया में भी इस तरह का फ्राड करने पाया गया। टीआरसी20 से करेंसी कनवर्ट करने के लिए 56 काउंटरपार्टी एक्सचेंज का उपयोग किया गया, जिनमें मुख्य रूप से बाइनेंस, कूकाइन, ओक्स, हुओबी, बायबीट, यूएसडीटी-टोकन, एमइएक्स, सनक्रप्टो आदि एक्सचेंज शामिल है। बायनेंस से संपर्क कर जानाकारी ली गई तथा एनालिलिस कर मुख्य खाता यूएलडी-301254931 चिन्हित किया गया, जिसमें भारत से ठगे गए करीब 40 करोड रुपये का ट्रांजेक्शन हुआहै। बायनेंस का खाता प्रकरण के मुख्य आरोपित इनाकू पामे के नाम रजिस्ट्रड है। बायनेस के उक्त खाते को भारत के अलावा सिंगापुर,, मलेशिया से अलग-अलग डिवाइस पर रजिस्ट्र्ड कर खाते का उपयोग किया गया था।बायनेंस के खेता पर भारत के साथ मलेशिया के मोबाइल नंबर भी रजिस्टर्ड होना पाए गए।

कोर्ट के आदेश से सरकारी खाते में लिए रुपये– एसपी राहुल कुमार लोढा व सायबल सेल ने बाइनेंस कंपनी से गुगल मीट व मेल के जरिए संपर्क कर जानाकारी ली। जांच में पाया गया कि एमटीएफई खाते से कनेक्टेड बायनेंस के 41 खातों में रुपये ट्रांसफर किए थे। पुलिस ने न्यायालय के आदेश से उक्त खातों को फ्रिज कराया। उक्त खातों में करीब 44141 डालर (भारतीय मुद्रा में 43.77 लाख 503 रुपये) जमा थे। उक्त राशि लेने के लिए राजस्व नाम से सरकारी खाते खोले गया। उक्त राशि अपराध से संबंधित होने से शासकीय खाते में लेने के लिए बायनेंस कंपनी से पत्राचार किया गया तथा उक्त राशि सरकारी खातों में रिफंड कराई गई।

मणिपुर के हैं मुख्य आरोपित– एसपी राहुल कुमार लोढा ने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूरे फ्राड के मुख्य आरोपित मणिपुर के रहने वाले इनाकू पामे व मार्सी पामे है। इन दोनों को भी आरोपित बनाकर उनकी तलाश की जा रही है। यह भी पता चला है कि इनाकू पामे ने एमटीएफई एप बनाया था। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। पीडितों को राशि न्यायालय से आदेश होने पर दिलाई जाएगी।

मिलन समूह संधारा एवं पर्यावरण मित्र ने मिलकर लगाएं पौधे

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला मंदसौर के निर्देशन मे जिले के ग्रामीण अंचल मे समूह की महिलाओ एवं पर्यावरण मित्र द्वारा पोधारोपण किया जा रहा है। जनपद पंचायत भानपुरा के गांव संधारा में मिलन स्वयं सहायता समुह द्वारा कन्या स्कूल संधारा में पोधारोपण किया गया। जनपद पंचायत सीतामऊ के ग्राम राजाखेडी, नाटाराम एवं सुर्याखेडा में पर्यावरण मित्र द्वारा समुह की महिलाओ के साथ मिलकर पोधारोपण किया गया। मिलन स्वयं सहायता समुह संधारा की अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया की समुह द्वारा स्वयं की बचत से नीम के 20 पोधे लगाएं गये, जिसमें सरपंच एवं शिक्षक मनीष राजपुत सहित समुह की महिलाएं उपस्थित थी। जनपद पंचायत सीतामऊ के नवज्योति संकुल स्तरिय संगठन क्यामपुर की पर्यावरण मित्र धारणा गंधर्व ने बताया की क्यामपुर मार्ग राजाखेडी में संकल्प समुह के साथ मिलकर नीम, पीपल एवं बिलपत्र का पोधा लगाया गया सुर्याखेडा के समीप नीम, आम, आंवला, पीपल सहित 10 पोधे लगाकर सुरक्षा हेतु जाली लगाई गई। पोधारोपण कार्यक्रम निरंतर किया जाएगा। सभी समुह की दीदीयों को भी गांव-गांव में पोधे लगाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

आचार संहिता उल्लंघन : कांग्रेस नेतागण हुए जमानत पर रिहा

मनासा, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। हाल ही के विधानसभा चुनाव में कॉंग्रेस नेताओं को आचार संहिता उल्लंघन के लेकर धारा 188मे प्रकरण दर्ज किया गया था। जिसमे चुनाव आयोग की विडियोग्राफी के आधार पर बीना अनुमति के विजय मंगलम रिसोर्ट के बाहर कॉग्रेस नेताओं द्वारा पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा का पुतला दहन किया गया। जिसमे चुनाव आयोग ने तीन कॉंग्रेस नेताओं कैलाश राठौर, ओमप्रकाश गुजराती (मोची) व नरेन्द्र सुतार पर आचार संहिता उल्लंघन करने की धारा 188मे प्रकरण दर्ज किया गया था। जानकारी अनुसार टिकट वितरण को लेकर कॉंग्रेस के कार्यकर्ताओं मे आपसी मन मुटाव चल रहे थे। तो कॉंग्रेस से चुनाव लडने वालो मे पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाहटा, मंगेश संघई का नाम कॉंग्रेस पैनल मे प्रमुखता से चल रहा था वही आखरी दौर मे कॉंग्रेस पैनल मे दो ही नाम रह गये थे। जिसमे पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाहटा व युवा नेता मंगेश संघई। ऐसे मे पहले से ही क्षैत्र मे नरेन्द्र नाहटा का कॉंग्रेस के उम्मीदवार को लेकर आमजन आश्वस्त थे। तो कॉंग्रेस हाईकमान ने भी अंतिम दौर मे पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाहटा को फिर से मनासा विधानसभा चुनाव मे कॉंग्रेस उम्मीदवार बनाया। वही 31अगस्त2024को तीनो कॉंग्रेस नेताओ कुकडेश्वर ब्लॉक कॉंग्रेस अध्यक्ष कैलाश पिता लक्ष्मीनारायण राठौर तलाऊ व ओमप्रकाश पिता हीरालाल मोची मनासा, नरेन्द्र पिता वरदीचन्द्र सुतार भाटखेडी को न्यायालय ने जमानत पर रीहा कर दिया। परन्तु चुनाव आचार संहिता उल्लंघन करने वाली चुनाव आयोग की विडियोग्राफी मे व फोटो मे और भी कई व्यक्ति थे। जिसमे आयोजक मंगेश संघई, चन्द्र शेखर पालीवाल, दिनेश राठौर, मुन्नी रावत सहित कई नेता मौके पर पुतला दहन के समय उपस्थित थे। कॉंग्रेस नेताओं पर चुनाव आयोग ने प्रकरण दर्ज नहीं किया। जो संदेह के घेरे मे आता है।

अपनी आन बान शान तिरंगे के लिए घर से निकलकर तिरंगा यात्रा को भव्य बनाएं

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी आन बान शान है। हमारे देश के सैनिक इसी तिरंगे के लिए अपने प्राण तक न्यौछावर कर देते हैं। हमारे शहर मन्दसौर में विगत कई वर्षों से अखंड भारत तिरंगा यात्रा समिति द्वारा लगातार स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या (14 अगस्त) पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इस वर्ष भी तिरंगा यात्रा को भव्य बनाने के लिए अखंड भारत तिरंगा यात्रा समिति द्वारा हर रोज मन्दसौर के आसपास ग्रामीण क्षेत्र और मन्दसौर में वार्डों में जाकर नागरिकों को तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि तिरंगा यात्रा को और भी भव्य बनाया जा सके।

वार्डों में ली बैठक– अखंड भारत तिरंगा यात्रा समिति द्वारा 14 अगस्त को निकलने वाली भव्य तिरंगा यात्रा की तैयारी को लेकर वार्ड क्र 22,37 व 38 में बैठक आयोजित की। जिसमें कपिल मावर, वार्ड के पार्षद दीपक गाजवा, पार्षद प्रतिनिधि हितेंद्र भाटी, नरेंद्र बंधवार, संजय मंगल, देवेंद्र मरच्या, दिनेश नागर, बंशी राठौर, गोटी ठाकुर एवं तीनों वार्ड के वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

नगर पालिका सभागृह में मातृशक्ति की बैठक हुई– स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या (14 अगस्त) पर निकलने वाली भव्य तिरंगा यात्रा की तैयारी को लेकर मातृशक्ति की बैठक आयोजित हुई। जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, निर्मला गुप्ता, किरण मावर, वर्तिका पुरोहित, भारती पाटीदार एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित थी। जिस प्रकार से अखंड भारत तिरंगा यात्रा समिति द्वारा लगातार बैठकें कर आम व खास में देशभक्ति की अलख जगाते हुए सैनिकों एवं तिरंगे की शान में तिरंगा यात्रा में शामिल होने की अपील की जा रही है उससे लगता है कि इस बार तिरंगा यात्रा भव्यतम होने वाली है।

विंड एनर्जी गार्ड की मौत पर मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। गत बुधवार को जिले के गरोठ क्षेत्र के मेलखेड़ा सगोरिया - मानपुरा चौराहे के निकट कच्चे मार्ग पर लगे विंड एनर्जी (पवन चक्की)

पोल पर कॉपर वायर केबल और ऑयल चुराने को पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने मौके पर तैनात सुरक्षा गार्ड विशाल प्रजापत द्वारा रोके जाने पर घातक मारपीट की, गंभीर घायल अवस्था में सुरक्षा गार्ड ने कम्पनी फ़ील्ड ऑफिसर दीपक मालवीय को अवगत कराया, तत्काल श्री मालवीय ने पुलिस थाना गरोठ में पदस्थ ऑफिसर को बताया किंतु

मौजूद पुलिस ऑफिसर ने मामले की गंभीरता नहीं सुनते हुए अभद्रता पूर्ण व्यवहार किया और यह बताने पर भी कि बदमाशों द्वारा गोली चालन भी किये हैं अनसुना करते हुए मोबाइल फोन ही काट दिया। परिणाम स्वरूप विंड एनर्जी के सुरक्षा गार्ड को गंभीर चोंट लगी और शामगढ़ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेजाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला गंभीर लापरवाही और गैरजिम्मेदाराना व्यवहार का सामने आने पर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान में लिया है। गुरुवार को आयोग के अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी, सदस्य एवं पूर्व महानिदेशक लोकायुक्त श्री राजीव कुमार टंडन ने मंदसौर पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का तीन सप्ताह में जवाब तलब किया है। ज्ञातव्य है कि सुरक्षा गार्ड की हमले में मृत्यु पर आक्रोशित ग्रामीणों एवं नागरिकों ने गरोठ - शामगढ़ सड़क मार्ग पर चक्काजाम किया।

राजस्व महाअभियान अंतर्गत आज निम्न गांवों मे लगेगा कैम्प

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। अनुविभागीय अधिकारी उपखंड मंदसौर द्वारा बताया गया कि राजस्व महाअभियान (2.0) 31 अगस्त 2024 तक कैम्प आयोजित किये जाएगें। जिसके अंतर्गत हल्के के ग्रामों में बी-1 वाचन, नक्शे में तरमीम, पीएम किसान का सेचुरेशन, समग्र आधार से ई केवायसी, खसरा से समग्र आधार से लिकिंग, फार्मर रजिस्ट्री का सीमांकन, नामातरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती, स्वामित्व योजना, पीएम किसान ई-केवायसी, डीबीटी का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन किया जाना है। जिसके अंतर्गत 3 अगस्त को भालोट, सोंधनी, पीथाखेड़ी (नाहरगढ़), पिण्डा, भठाना एवं खजूरी आंजना में कैम्प आयोजित किये जाएगें।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

मनासा, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ ग्राम पंचायत देवरान मे स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया यह शिविर पूर्व सरपंच स्वर्गीय बद्रीलाल जी पाटीदार ओर उनकी धर्मपत्नी नंदूबाई पन्नावाला की स्मृति मै आयोजित किया गया जिसमे सेकडो मरीजों की जाँच मनासा के ग्लोबल अस्पताल के संचालक डॉ एस के पाटीदार के द्वारा की गई इस स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का 150 से अधिक लोगो ने लाभ लिया शिविर मै जाँच के उपरांत निशुल्क दवाई वितरण भी किया गया शिविर मै बीपी शुगर आक्सीजन लेवल हार्ट की पल्स की जाँच की गई ऐसे आयोजन से ग्रामीणों मै भारी उत्साह देखा गया ओर डॉ पाटीदार द्वारा ग्रामीणों को स्वास्थ्य सम्बंधित सलाह मशवरा भी दिया गया।

मां गार्डन में हरियाली अमावस्या को वृहद पौधारोपण का आयोजन

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। हरियाली अमावस्या के पावन पर्व पर रेवास देवड़ा रोड स्थित देवडूंगरी माता के दरबार मे 4 अगस्त 2024 रविवार को प्रात: 10 बजे महाआरती व 10.30 बजे मां गार्डन देवडूंगरी माताजी मंदिर परिक्षेत्र मे एक पौधा मां के नाम सक्रिय जागरूक सामाजिक संस्थाओं के द्वारा वृहद पौधारोपण आयोजन किया जाऐगा। मां गार्डन मे गड्डे खोदने के साथ ही पौधों की व्यवस्था जन एवं संस्कृति समिति द्वारा की जाऐगी। मां के नाम एक पौधा अभियान मे ग्राम पंचायत दाउदखेड़ी, बुगलिया, गुजरदा, पित्याखेड़ी, रलायता, नौगवा, रेवास देवड़ा, करोली, कोचवी, भरड़ावद, हेदरवास, मालियाखेड़ी, मिर्जापुरा, दोलतपुरा, मंदसौर के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी माताजी के भक्त एवं प्रयावरण प्रेमी स्वयंसेवी तथा सामाजिक संगठनों से आहवान है की अपने अपने बैनर लेकर इस वृहद पौधारोपण आयोजन मे मे सहभागिता करेगें।

क्लोरिनेशन अभियान के तहत महिलाओं ने सीखे जल गुणवत्ता परीक्षण के तरीके

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। वर्षा ऋतु में पानी में रासायनिक परिवर्तन होने से जलजनित बीमारियों के होने का अंदेशा रहता है इसी को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा निरंतर जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित पेयजल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन एवं पेयजल स्त्रोतों से प्राप्त पानी का जल गुणवत्ता परीक्षण का कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है। जिसके तहत ग्राम रिच्छा बच्चा में विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा गांव की महिलाओं को पेयजल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन करते हुए फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण करने का प्रशिक्षण दिया गया।

मलेरिया रोग नियंत्रण के लिये होम्योपैथी दवाई का किया वितरण

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिला आयुष अधिकारी डॉ. कमलेश धनोतिया द्वारा बताया गया कि मलेरिया रोग नियंत्रण हेतु होम्योपैथी दवाई 'मलेरिया ऑफ 200' का वितरण जिले के 05 ब्लॉक के 10 मलेरिया प्रभावित क्षेत्रो में किया गया। यह दवा मलेरिया रोग के नियंत्रण हेतु पूर्णत: सुरक्षित है, और इसे किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति द्वारा बिना किसी साइड इफेक्ट के लिया जा सकता है। प्रथम चरण में लगभग 85 हजार डोज खिलाये जा चुके हैं। कार्यक्रम का दूसरा चरण 22 अगस्त से प्रारंभ होगा।

दिनांक 03अगस्त 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

✻जन्मकुंडली में राहु ग्रह सूर्य के साथ बैठकर सूर्य ग्रहण दोष बनाता है, यदि किसी कि जन्मकुंडली में सूर्य ग्रहण दोष हो तो उसमे आत्मविश्वास कि कमी होती है, बनते-बनते कार्य बिगड़ते है, किसी भी कार्य को लेकर उत्साह की कमी रहती है तथा सूर्य यदि कमजोर है तो हर क्षेत्र मे संघर्ष की अधिकता रहती है।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

विधायक जैन ने तेलिया तालाब का किया निरीक्षण

मास्टर प्लान लागू होने से पहले तालाब के संरक्षण एवं तेलिया तालाब में पानी आवक स्त्रोतों से अवरोध हटाने के लिए नवागत कलेक्टर अदिति गर्ग को पत्र लिखा

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विपिन जैन ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर के साथ शुक्रवार को मन्दसौर नगर के प्रमुख पेयजल स्त्रोत तेलिया तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक श्री जैन ने तालाब में पानी की कम आवक को देखकर गहरी चिंता व्यक्त की है। यह जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि जिले में अभी तक लगभग 17 इंच वर्षा होने के बाद भी तेलिया तालाब में पानी की आवक नहीं हो रही है इसे लेकर मन्दसौर विधायक जी बहुत चिंतित है। उन्होंने इस संबंध में नवागत कलेक्टर अदिति गर्ग को पत्र लिखा है। पत्र में मास्टर प्लान लागू होने से पहले तालाब के संरक्षण की ठोस कार्य योजना बनाने को लिखा गया है साथ ही तेलिया तालाब में

पानी आने के जितने भी स्त्रोत है उनके अवरोधों को तत्काल हटाने की बात भी पत्र में लिखी गई है।

विधायक श्री जैन ने कहा कि तेलिया तालाब मंदसौर का प्रमुख जल स्त्रोत होकर नगर की आधी आबादी को पेयजल उपलब्ध कराता है साथ ही नलकूप एवं कुओं को रिचार्ज करता है। लेकिन वर्तमान समय में पानी आवक में अवरोध होने से भविष्य में जल संकट नजर आ रहा है। इसलिए समय रहते ठोस कार्य योजना बनाकर तालाब को संरक्षित करने की कार्यवाही करनी भविष्य के लिए जरूरी है। विधायक श्री जैन ने कहा कि वह जल्द इस मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री से भी मिलाकर तालाब के संरक्षण के लिए चर्चा कर अनुरोध करेंगे।

मंशापूर्ण महादेव मंदिर में हरियाली अमावस्या पर्व धूमधाम से मनेगा

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर नगर के जनकूपुरा राम मोहल्ला स्थित अति प्राचीनतम एवं चमत्कारीक श्री मंशापूर्ण महादेव मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हरियाली अमावस्या पर्व 4 अगस्त, रविवार को धूमधाम से मनाया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए मंशापूर्ण महादेव मंदिर समिति अध्यक्ष पं. अरूण शर्मा ने बताया कि करीब 55 वर्षों से चली आ रही परम्परा के अनुरूप हरियाली अमावस्या पर्व पर सायं 5 बजे राम मोहल्ला मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो राम मोहल्ला से बड़ा चौक, गणपति चौक, वरूणदेव मंदिर, घण्टाघर, सदर बाजार से धानमण्डी होते हुए पुन: मशांपूर्ण मंदिर पहुंचेगी। तत्पश्चात् महाआरती होगी तथा भक्तों को प्रसादी वितरण भी किया जाएगा। इस दिन मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा। मंदिर समिति के वरिष्ठजन जयप्रकाश गर्ग, राजेश पालीवाल, सुभाष मारू, राधेश्याम झंवर, पार्षद सुनील बंसल, पूर्व पार्षद संध्या शर्मा, के.के. जाखेटिया, मनीष रूनवाल, प्रीतेश पालीवाल, अनूप पण्ड्या, हितेश गंगवाल, राजेश सोनी, राजेश गाजवा, अंशुल पण्ड्या, रामप्रसाद पालीवाल, भंवरलाल, रामविलास, कन्हैयालाल शर्मा, प्रवीण अरोरा, श्याम शर्मा, श्याम पाण्डे, गोपाल पाण्डे, विनोद दिवान, विशाल सोनी, पप्पू दिवान, संजय बंगाली आदि ने सभी शिवभक्तों से हरियाली अमावस्या पर आयोजित शोभायात्रा में भाग लेकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।

कलेक्टर ने जुनापानी में कृषक सुविधा केंद्र में खाद,बीज विक्रय केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ किया

नीमच, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जिले की मनासा तहसील के गांव जुनापानी में कृषक सुविधा केंद्र स्थाापित किया गया है। इस केंद्र का संचालन कृषक उत्पाजदक संगठन के सदस्यों व्दारा किया जा रहा है। इस एफपीओ को बीज उत्पादन एवं प्रमाणीकरण का पंजीयन भी प्रदान किया जा चुका है। कृषक सुविधा केंद्र जूनापानी में खाद, बीज विक्रय की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने शुक्रवार को कृषक सुविधा केंद्र जुनापानी में फीता काटकर खाद, बीज, विक्रय केंद्र का शुभारंभ किया। साथ ही एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत इस कृषक सुविधा केंद्र परिसर में लगाए

जा रहे 200 पौधो के पौधारोपण का पौधा रौप कर शुभारंभ भी किया। इस मौके पर स्थानीय सरपंच, कृषकगण, जनपद सीईओ श्री अरविंद डामोर एवं उपयंत्री श्री मौसम मेरवाडिया व अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया कुण्डालिया के अंकुर उपवन में पौधारोपण:– कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने ग्राम कुण्डालिया में ग्राम पंचायत व्दारा गौशाला के सामने स्थित अंकुर उपवन में पौधारोपण किया और अंकुर उपवन को अच्छी तरह से विकसित करने के निर्देश स्थावनीय सरपंच एवं सचिव को दिए।

बासनिया में अमृत सरोवर में सीडबाल से पौधारोपण:– कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने ग्राम पंचायत भगोरी के गांव बासनिया में पहाडियों पर लगभग 5 हजार कंटूरट्रेंच तैयार कर सीडबाल से पौधारोपण कार्य की तैयारियों का अवलोकन किया। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने सीडबाल से यहां पौधारोपण भी किया। कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने यहां निर्मित अमृत सरोवर के किनारे पौधारोपण किया और अमृत सरोवर तथा मनरेगा के तहत निर्मित तालाब का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर स्थानीय सरपंच, कृषकगण, जनपद सीईओ श्री अरविंद डामोर एवं उपयंत्री श्री मौसम मेरवाडिया व अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	29	2450	2560
उडद	6	3800	6700
सोयाबीन	4300	3700	4370
गैहु	3600	2430	3170
चना	314	5200	6861
मसुर	144	5696	6151
धनिया	260	4850	6851
लहसुन	11500	5000	20000
मैथी	560	4925	6017
अलसी	470	5000	5720
सरसो	369	4981	5263
तारामीरा	2	4281	4341
इसबगोल	66	9200	12500
प्याज	1787	1200	2912
कलोंजी	8	10000	17600
डॉलर	23	8301	12001
तिल्ली	79	9700	12299
मटरसुखी	6	5000	6799
असालीया	76	9053	10357

खसरे के साथ-साथ नक्शे में भी बटांकन तुरंत करें-कलेक्टर

राजस्व महा अभियान अंतर्गत राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिये निर्देश

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। राजस्व महा अभियान अंतर्गत राजस्व अधिकारियों की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि खसरे के साथ-साथ नक्शे में भी बटाकन का काम तुरंत किया जाए। कई प्रकरण में ऐसा देखा गया है कि, खसरे के साथ नक्शे में बटाकन नहीं किया जाता है।

उपायुक्त श्री रणजीत सिंह द्वारा कहा गया की, राजस्व प्रकरणों का निराकरण के साथ आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करें। राजस्व प्रकरणों का निराकरण कर 24 घण्टे के अंदर आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करवाएं, यदि पटवारियों द्वारा समयावधि में अमल की कार्यवाही नहीं किए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्यवाही करें। बैठक में राजस्व न्यायालय वार लंबित नामान्तरण, बंटवारे, डायवर्सन के प्रकरणों की समीक्षा की गई एवं समयावधि में निराकरण कर आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि अविवादित नामान्तरण, बंटवारे के प्रकरणों का निराकरण लोक सेवा गारंटी अधिनियम में नियत समयावधि में करना सुनिश्चित करे, बंटवारे के प्रकरणों मे बटान्कन एवं नक्शा तरमीम आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कराएं। राजस्व महाअभियान के दौरान शत प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण करें। अविवादित नामान्तरण के प्रकरणों मे विज्ञप्ति जारी करने के 15 दिवस की अवधि में कोई आपत्ति नहीं आये तो तत्काल नामान्तरण कर दे, क्रेता-विक्रेता की उपस्थिति राजस्व न्यायालय मे अनिवार्य नहीं है।आरसीएमएस पोर्टल पर अभिलेख दुरुस्ती का काम एसडीएम समयावधि में करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत अधिसूचित सेवाओ मे समयावधि में प्रकरणों का निराकरण किया जाये। राजस्व महाअभियान के तहत किसानों की ईकेवायसी का काम प्राथमिकता से करे, रोजगार सहायक, पटवारी, कोटवार की ड्यूटी लगा कर ईकेवायसी करवाये। किसानों को सूचित कर ईकेवायसी के लिए उपस्थित करवाए। स्वामित्व योजना की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। सायबर तहसील की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में अपर कमिश्नर श्री रणजीत सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, डिप्टी कमिश्नर भू अभिलेख श्रीमती गरिमा रावत, सभी एडीएम सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

प्रदेश में अब कमजोर विद्यार्थियों के लिए बनेंगे कक्षाओं में सुपर सेक्शन, मंथली टेस्ट भी होंगे

भोपाल, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूल शिक्षा विभाग अब नया प्रयोग करने जा रहा है। इसके तहत ऐसे विद्यार्थी जो पढ़ाई में कमजोर हैं, उनकी अलग से कक्षाएं लगाई जाएंगी। इसके लिए कक्षाओं में बकायदा अलग सुपर सेक्शन बनेगा और शिक्षक भी अलग से तैनात होंगे। साप्ताहिक और मासिक टेस्ट भी होगा। प्रति सप्ताह मूल्यांकन करके जहां कमी है, उसे दूर करने पर फोकस किया जाएगा। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग राज्य ओपन बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगा। इनके लिए ओपन स्कूल चलाया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं कक्षा का परिणाम सुधारना है। मप्र बोर्ड की 10 वीं का परिणाम पिछले छह वर्षों में इस वर्ष सबसे खराब रहा था। 10 वीं का परिणाम 58.10 प्रतिशत रहा है। साथ ही इस साल से बेस्ट आफ फाइव योजना भी समाप्त कर दी गई है। इस कारण स्कूल शिक्षा विभाग ने 10 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम सुधारने के लिए नौवीं कक्षा से जोर देना शुरू कर दिया है। इसके तहत अब उन स्कूलों में सुपर सेक्शन बनाया जाएगा, जहां 30 से अधिक विद्यार्थी फेल हुए हैं।

अलग से लगेंगी कक्षाएं– नौवीं कक्षा में फेल विद्यार्थियों की अलग से कक्षाएं लगाई जाएंगी। सभी विषयों की पढ़ाई के लिए शिक्षक लगाए जाएंगे। साप्ताहिक और मासिक टेस्ट के साथ ही तिमाही और छमाही परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं से एक-एक सवाल पर चर्चा की जाएगी। शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा कि कमजोर विद्यार्थियों को कैसे पढ़ाया जाना चाहिए।

नौवीं के तिमाही व छमाही परीक्षा का भी आकलन होगा– स्कूल शिक्षा

विभाग नौवीं कक्षा से ही गुणवत्ता सुधारने का प्रयास कर रहा है। साथ ही नौवीं कक्षा के तिमाही व छमाही परीक्षा परिणाम के पांच-पांच फीसद अंक वार्षिक परीक्षा के परिणाम में जोड़े जाएंगे। इससे विद्यार्थी तिमाही व छमाही परीक्षाओं को गंभीरता से लेंगे और ध्यान केंद्रित करेंगे। तिमाही व छमाही परीक्षा के परिणामों का भी आकलन किया जाएगा, ताकि वार्षिक परीक्षा में सुधार किया जा सके।

कमजोर विद्यार्थियों पर होगा फोकस– विभागीय अधिकारियों का मानना है कि कक्षाओं में शिक्षक दो स्तर पर पढ़ाता है। शिक्षक का ध्यान अधिकतर तेज विद्यार्थियों पर ही होता है। साथ ही सामान्य विद्यार्थियों के स्तर पर भी पढ़ाया जाता है। कक्षा के कमजोर विद्यार्थियों पर सामान्यतः शिक्षकों का विशेष ध्यान नहीं होता है। उनके लिए अलग से रणनीति बनाकर उन्हें पढ़ाया जाएगा।

सरकारी स्कूलों में नौवीं कक्षा के फेल विद्यार्थियों का अलग से कक्षाएं लगाई जाएंगी। इसका नाम सुपर सेक्शन होगा। इसमें शिक्षक बच्चों अलग तरीके से पढ़ाएंगे, ताकि कमजोर बच्चों को अन्य विद्यार्थियों के साथ में लाया जा सके। इससे 10वीं बोर्ड कक्षा के परिणाम में सुधार आएगा।

पीआर तिवारी
संचालक, राज्य ओपन स्कूल

अस्पताल में मरीज ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

नीमच, 2 अगस्त गुरुएक्सप्रेस। नीमच के जिला चिकित्सालय से गुरुवार देर रात एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां मनोरोगी ने वार्ड में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी मिलने ही अस्पताल में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, फांसी लगाने वाले व्यक्ति का नाम दशरथ पिता भेरूलाल मेघवाल (30) है। वह चल्दू गांव का रहने वाला था। दशरथ की मानसिक हालत ठीक नहीं थी। उसे 29 जुलाई को अस्पताल में भर्ती किया गया था। जिसका मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर इलाज कर रहे थे। उसे अस्पताल के अलग वार्ड में भर्ती किया गया था।

परिजन खाना देने आए तब पता चला– घटना गुरुवार शाम 6 से 7 बजे की बताई जा रही है। हालांकि आत्महत्या का पता तब चला जब परिजनों ने रात को फोन किया और दशरथ ने फोन नहीं उठाया। रात को रोजाना की तरह जब परिजन गांव से खाना लेकर अस्पताल पहुंचे तो वार्ड का दरवाजा अंदर से बंद था। अनहोनी की आशंका होने पर अस्पताल स्टाफ और पुलिस को सूचना दी गई। दरवाजा खुलने पर दशरथ को पंखे से पर फांसी के फंदे पर झूलता पाया। वहीं शुक्रवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

सिविल सर्जन बोले– हायली डिप्रेशन में था मरीज– सिविल सर्जन महेंद्र पाटील ने जानकारी देते हुए बताया कि मरीज का इलाज मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर मनोरोग विशेषज्ञ कर रहे थे। जब मरीज को भर्ती किया गया था तब यह निर्देश दिए गए थे कि परिजनों में से किसी एक व्यक्ति को 24 घंटे उनके साथ रहना है। अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए गार्ड नीचे तैनात रहते हैं। वहां कोई नहीं रहता। वैसे मरीज की मां उसके साथ रह रही थी। लेकिन घटना के समय वह मौजूद नहीं थी। मैरिज हायली डिप्रेशन में था।

रेलवे गैंगमेन की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

मंदसौर, 2 अगस्त गुरुएक्सप्रेस। नीमच के रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार तडक़े करीब 3.35 बजे एक हादसा हो गया। इस हादसे में रेलवे के गैंगमैन की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। कर्मचारी रात्रि में पेट्रोलिंग कार्य पर तैनात था। इसी दौरान कोटा से मंदसौर की ओर जाने वाली सवारी गाड़ी से गैंगमेन टकरा गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक सतीश पिता छोटेलाल उम्र 50 वर्ष निवासी बघाना नीमच रेलवे स्टेशन पर 10 वर्षों कों कार्यरत था। घटना के बाद सतीश को नीमच जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शुक्रवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में जिला चिकित्सालय मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि रात्रि ड्यूटी के दौरान सतीश के साथ एक अन्य कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी। फिलहाल सतीश के ट्रेन की चपेट में आने को लेकर कई सवाल खडे हो रहे हैं। क्योंकि रोजाना इसी कार्य करने वाला वह भी रेलवे स्टेशन पर कैसे ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे की असल वजह जांच के बाद ही पता चलेगी। वहीं जिला अस्पताल में मौजूद अधिकारियों ने मानले पर फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

शिमला में बादल फटने से 6 छात्र बहे, मलबे में तब्दील हुआ पूरा स्कूल

शिमला, 2 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में शिमला के समेज गांव में शुक्रवार को बादल फटने से एक माध्यमिक विद्यालय की इमारत बह गई। इस हादसे में 12 से 18 वर्ष की आयु के छह छात्र बह गए। यह घटना श्रीखंड महादेव के पास बादल फटने की घटना के एक दिन बाद हुई, जिससे समेज, गानवी और कुर्बन क्षेत्रों में अचानक बाढ़ आ गई। नतीजतन, शिमला जिले के रामपुर उपखंड में समेज खड्डु में जलस्तर काफी बढ़ गया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

भूस्खलन से माध्यमिक विद्यालय की इमारत मलबे में तब्दील हो गई। गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय की इमारत भी भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हो गई। इस बीच, पास के एक घर की ऊपरी मंजिल भी बह गई। इससे पहले, राज्य के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि भारी बारिश और बादल फटने से राज्य में भारी नुकसान हुआ है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), पुलिस और होमगार्ड राहत कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं, लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

बादल फटने से रामपुर में लापता हैं 36 लोग– इससे पहले शिमला जिले के रामपुर के झाकड़ी क्षेत्र से सटे समेज गांव में बादल फटने से 36 लोग लापता हैं। 31 जुलाई की देर रात से ये 36 लोग लापता हैं। इन लोगों को बचाने के लिए जिला प्रशासन ने शुक्रवार सुबह 5:30 बजे बचाव कार्य शुरू किया। डीसी अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी सुबह ही मौके पर पहुंच गए। इसके बाद उपायुक्त ने पूरे बचाव अभियान की निगरानी की और पल-पल की रणनीति बनाकर काम को गति दी।

मौसम विभाग ने जारी किया है अलर्ट– क्षेत्रीय मौसम विभाग ने पहाड़ी राज्य के अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश, गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। बारिश का दौर 6 अगस्त तक जारी रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिलों के संवेदनशील इलाकों में संभावित भूस्खलन और अचानक बाढ़ की चेतावनी दी है। निचले इलाकों में तेज हवाओं और जलभराव के कारण बागानों, खड़ी फसलों, कमजोर संरचनाओं और कच्चे घरों को नुकसान पहुंचने का भी खतरा है।

खनिज विभाग की कार्रवाई : कई वाहन जब्त

मंदसौर, 2 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। दलौदा थाना क्षेत्र के तहत ग्राम लालाखेड़ा–रीछालालमुंहा के आसपास खनिज विभाग ने कार्रवाई की है। बताते हैं कि विभाग ने 15 ट्रेक्टर, दो पोकेलेन मशीन व एक डम्पर को चैक किया है। एक क्रेशर प्लांट पर भी खनिज विभाग ने जांच पड़ताल की है। शुक्रवार रात्रि तक खनिज विभाग की ओर से कोई अधिकृत जानकारी प्रसारित नहीं हुई। इस संबंध में प्रभारी खनिज अधिकारी भावना सेंगर से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका मोबाईल व्यस्त आता रहा।

'ला नीना' अगस्त और सितंबर में लाएगा तबाही, आईएमडी ने भारी बारिश की दी चेतावनी

इंदौर, 2 अगस्त गुरुएक्सप्रेस। देश में कई जगह भारी बारिश हो रही है। दिल्ली-एनसीआर व पहाड़ी इलाकों में बारिश से लोग परेशान हो गए हैं। मौसम विभाग ने अगस्त और सितंबर महीने में भी भारी बारिश की चेतावनी दी है। अगस्त में ला नीना के आने से बारिश और ज्यादा हो सकती है। इस दौरान लैंडस्लाइड के भी खतरे की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगस्त-सितंबर में ज्यादा बारिश हो सकती है। देश में एक जून से 453.8 मिमी की बारिश दर्ज की गई है। ऐसे में अभी तक सामान्य बारिश से 2 फीसदी ज्यादा पानी पड़ चुका है।

इन प्रदेशों को येलो अलर्ट पर रखा– 3 से 8 अगस्त तक आठ राज्यों को येलो अलर्ट पर रखा गया है। इन आठ राज्यों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, जिसमें उत्तरांखड, छत्तीसगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश को शामिल किया गया है।

इन प्रदेशों को रेड अलर्ट पर रखा– आठ प्रदेशों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। मौसम विभाग के अनुसार इन आठ राज्यों में अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। इनमें 204.4 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हो सकती है, जिसमें पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार, उप-हिमालय पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य महाराष्ट्र, झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश को शामिल किया गया है।

ला नीना से लैंडस्लाइड होने का खतरा– मौसम विभाग ने बताया है कि सितंबर की शुरुआत में भारत में ला नीना आ जाएगा। इस दौरान बहुत तेज बारिश होगी, जिससे लोगों को काफी परेशानियां होंगी। बारिश होने से शहरों में जलभराव की समस्या हो सकती है। इस दौरान पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड एक बड़ा खतरा है। ऐसे में लोग बहुत ही जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें।

सोया और मूंगफली तेल के दाम घटे, स्टॉक बढ़ने से उपभोक्ताओं को राहत

इंदौर, 2 अगस्त गुरुएक्सप्रेस। पिछले दो दिनों से मौसम खुला होने से गुजरात तरफ से मूंगफली तेल की आवक बढ़ जाने के कारण बाजारों में उपलब्धता फिर अच्छी हो गई है जबकि डिमांड कमजोर होने से भाव में नरमी रही। गुरुवार को मूंगफली तेल इंदौर 20 रुपये घटकर 1570-1590, मुंबई 1580 रुपये प्रति दस किलो रह गया।

मूंगफली तेल की मांग घटी– मूंगफली तेल में ग्रामीण क्षेत्रों की मांग धीरे-धीरे घटने लगी है। इससे भी मंदी को सपोर्ट मिला है। वहीं सोयाबीन तेल में कारोबार बेहद सुस्त होने से भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। इधर, सीबाट सोया तेल पिछले 4 साल के निचले भावों के आसपास है। जुलाई में मजबूत निर्यात के कारण मलेशिया में पॉम तेल का स्टॉक घटने का अनुमान है। स्टॉक घटने के अनुमान से 10 से 12 अगस्त तक सीमित दायरे में सट्टा रहेगा जबकि अगस्त महीने में निर्यात और पैदावार केएलसी को अगला रास्ता तय करेगा। चूंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों का समीकरण बिगड़ा हुआ है और तेजी के लिए कोई नया ट्रिगर नहीं है, इसलिए भारतीय खानेवाले तेलों का बाजार दबाव में रहेगा।

मंडी में सरसों– मध्य प्रदेश में सरसों का औसत मूल्य 5143 रुपए प्रति क्विंटल है। सबसे कम बाजार की कीमत 3020 रुपए प्रति क्विंटल है। सबसे उच्च बाजार की कीमत 5700 रुपए प्रति क्विंटल है।

जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर, 2 अगस्त गुरुएक्सप्रेस। जिला कोषालय अधिकारी श्री सुनील डावर द्वारा बताया गया कि जिले के सभी डीडीओ आई.एफ.एम.आई.एस. प्रणाली के माध्यम से वित्तीय भुगतान में पूरी सतर्कता व सावधानी बरते। किसी भी देयक का भुगतान करने से पूर्व भुगतान स्वीकृति, फर्म का नाम, बैंक खाता नंबर की जांच अच्छे से कर लें। डीडीओ अपना आई.डी. पासवर्ड एवं ओ.टी.पी. किसी के साथ शेयर ना करें। छोटी-छोटी सावधानी बरतते हुए दोहरे भुगतान से बचा जा सकता है। ई-दक्ष केन्द्र डाइट मंदसौर में जिले के सभी डी.डी.ओ. को आई.एफ.एम.आई.एस. पर आयोजित प्रशिक्षण में संबोधित करते हुए अवगत कराया। श्री डावर ने कहा कि सेवा निवृत्त शासकीय सेवकों के स्वत्वों का भुगतान करने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि पूर्व में तो संबंधित को किसी स्वत्व का भुगतान नहीं हुआ है। उन्होने सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के भुगतान की पंजी संधारित करने के बारे में भी बताया। डी.डी.ओ. स्वयं ऑनलाईन देयक जनरेट करे और स्वीकृति आदेश, बैंक खाता नंबर एवं फर्म आदि का नाम का सही-सही मिलान अवश्य कर लेवें। माह में एक बार सॉफ्टवेयर द्वारा रिकान्सलेशन रिपोर्ट डाउनलोड कर उसका अच्छी तरह मिलान कर लेवें।

युवतियों का सुराग नहीं लगा... पेज 1 से जारी

युवतियों के साथ रफू चक्कर हुए हैं।

किस रास्ते भागे बाईक सवार युवक, नहीं चला पता– बता दें कि चारों युवक दोनों लड़कियों को लेकर भागे हैं। वे अपना घर से किस रास्ते से भागे हैं, इसका भी आकलन नहीं हो पाया है। सीसीटीवी केमरे जरूर देखे गए हैं। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि चारों आरोपी युवक ने पहले से योजना बनाई थी। यानी उन्होंने मोबाईल के माध्मय से युवतियों से संपर्क कर अलसुबह भागने की योजना को अंजाम दिया था।

डूब रही मासूम जिंदगियां... पेज 1 से जारी

की आवक होते ही इस तरह के हादसों की आशंका बढ़ती है।

जलग्रहण क्षेत्रों को चिन्हित करने के निर्देश– मध्यप्रदेश के नदी, तालाबों और नहरों में डूबने की बढ़ रही घटनाओं से सरकार चिंतित है। ऐसे में अब ऐसे जलग्रहण क्षेत्रों की निगरानी बढ़ाई जाएगी। संवेदनशील जगहों पर पिकनिक आदि मनोरंजन गतिविधियों को प्रतिबंधित किया जाएगा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को इस बारे निर्देश जारी कर दिए हैं। प्राधिकरण ने कहा है कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के जलग्रहण क्षेत्रों में जनसामान्य के डूबने की अत्यधिक घटनाओं की सूचना मिल रही है। ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए जिले के समस्त डैम, तालाब, झील, खनन द्वारा रिक्त हुए तालाबनुमा संरचना तथा अन्य जल संग्रहण क्षेत्रों की निगरानी की व्यवस्था की जाएगी।जरूरत होने पर मानसून के दौरान ऐसी जगहों को प्रतिबंधित घोषित किया जाएगा। इसके बाद भी यदि लोग नहीं मानते हैं, तो उनके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। डूब की घटनाएं रोकने के लिए तहसील स्तर पर इंसीडेंट रिस्पॉन्स टीम का गठन किया जाएगा। ऐसी दुर्घटना वाली जगहों पर लाइफगार्ड, गोताखोर, मोटरबोट, लाइफ जैकेट आदि की व्यवस्था की जाएगी।

पानी में डूबने से जिले में हुए.... पेज 1 से जारी

नदी में डूबने से मौत हो गई थी। मृतिकाओं में दो सगी बहनें और एक बहू शामिल थी। इस हादसे में ग्राम तोलाखेड़ी निवासी सगी बहनें 55 वर्षीय मोहनबाई धनगर और 53 वर्षीय रामीबाई धनगर व बहू 32 वर्षीय कारीबाई धनगर की मृत्यु डूबने से हुई थी।

✻ 10 मई 2022 सीतामऊ क्षेत्र के ग्राम दलावदा के पुराने तालाब में दो सगी बहनों सहित तीन बालिकाओं में डूबने से मृत्यु हो गई थी। तालाब में नहाने के दौरान दलावदा निवासी प्रकाश कुशवाह की 16 वर्षीय पुत्री आरती व 13 वर्षीय पुत्री गायत्री और उसके चचेरे भाई दिनेश कुशवाह की 14 वर्षीय पुत्री राधा की डूबने से मृत्यु हो गई थी।

✻ 11 जून 2022 आठ-लेन सड़क निर्माण में पुलिया निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में नहाने पहुंचे दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई थी। ग्राम पांगाखेड़ा निवासी 10 वर्षीय विष्णु पुत्र विरमलाल मेघवाल एवं 10 वर्षीय यश पुत्र उमेश मेघवाल गांव कल्याणपुरा से अपने गांव पांगाखेड़ा आ रहे थे। तभी रास्ते में आठ-लेन के गड्ढे में भरे पानी में नहाने लगे। इसी दौरान विष्णु एवं यश की डूबने से मौत हो गई थी।

✻ 3 अगस्त 2022 को संजीत रोड पर स्थित ग्राम मूंदड़ी में स्थित खदान में भरे पानी में डूबने से चार किशोरों की मौत हो गई। यह सभी मंदसौर के निवासी थे। खदान में डूबने से 16 वर्षीय दीपक सिंघला निवासी कल्पना नगर, 16 वर्षीय कुणाल कछावा निवासी शंकर विहार, 17 वर्षीय ध्रुव शर्मा, 15 वर्षीय तरुणसिंह सोलंकी निवासी अभिनंदन की मृत्यु हो गई थी। चारों किशोर अपने दो अन्य साथियों के साथ शहर से लगभग 8 किमी दूर ग्राम मूंदड़ी में खदानों में भरे पानी में नहाने गए थे।

✻ 31 जुलाई 2023 को नगरी नगर परिषद क्षेत्र के ग्राम बुआखेड़ी में शासकीय उमावि के सामने स्टेडियम निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढों में भरे पानी में डूबने से दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई थी। गड्ढों में वर्षा का पानी भरा हुआ था। वहां दोनों बच्चे हरीश पुत्र सत्यनारायण एवं राज पुत्र विनोद खेल रहे थे, अचानक उनका पैर फिसल गया और वे गड्ढे में भरे पानी में डूब गए। डूबने से दोनों बच्चों की मौत हो गई थी।

✻ 16 अक्टूबर 2023 को ग्राम सूर्याखेड़ा में पोखर में नहाने के दौरान बच्चों की डूबने से मौत हो गई। 10 वर्षीय कमल पुत्र मुकेश बंजारा एवं 12 वर्षीय जीवन पुत्र प्रकाश बंजारा पोखर में नहाने गए थे, इसी दौरान दोनों बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बालक जीवन महिदपुर का निवासी था वह कुछ दिन पहले ही अपने मामा के घर सूर्याखेड़ा आया था।

✻ अंतिमयात्रा ✻

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि अशोक कुमार डूंगरवाल की धर्मपत्नी, स्व.अजीत जी,सुरेश जी की भाभी जी ,आशीष बब्लू की माता जी,मयंक,अनुकूल की दादी जी एवं दीपक,अंकित की बड़ी मम्मी, श्रीमती शांता बाई डुंगरवाल का स्वर्गवास आज हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा दिनांक 3अगस्त 2024 शनिवार प्रात: 10.30 बजे निवास स्थान 68,लेबर कॉलोनी, उद्योग पति बालाजी मन्दसौर से वाहन द्वारा निकलेगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
समस्त डुंगरवाल जैन परिवार
(बही पार्श्वनाथ वाला) मन्दसौर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गाँधी नगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक HIG.JR-14 श्रीमती कलावती परमार पति श्री मांगीलाल परमार को मण्डल आदेश क्रमांक 633 दिनांक 27.03.2023 द्वारा नामांतरित किया गया था। श्रीमती कलावती परमार पति श्री मांगीलाल परमार द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री निर्मल पाटीदार पिता श्री बद्रीलाल पाटीदार को कर इनके पक्ष में दिनांक 29.03.2024 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित करवा दिया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री निर्मल पाटीदार पिता श्री बद्रीलाल पाटीदार भवन का नामांतरण अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे। समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामान्तरण श्री निर्मल पाटीदार पिता श्री बद्रीलाल पाटीदार के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG 1-357 श्रीमती ज्योति मजुमदार पति स्व.श्री दीपक मजुमदार को मण्डल आदेश क्रमांक 3289 दिनांक 22.07.2022 द्वारा नामांतरित किया गया था। श्रीमती ज्योति मजुमदार पति स्व. श्री दीपक मजुमदार द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री सुधीर राठौर पिता श्री शांतिलाल राठौर एवं श्रीमती टीना राठौर पति श्री सुधीर राठौर को कर विक्रय पत्र दिनांक 14.10.2022 को पंजीबद्ध करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री सुधीर राठौर पिता श्री शांतिलाल राठौर एवं श्रीमती टीना राठौर पति श्री सुधीर राठौर संयुक्त रूप से अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामांतरण श्री सुधीर राठौर पिता श्री शांतिलाल राठौर एवं श्रीमती टीना राठौर पति श्री सुधीर राठौर के नाम संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा। उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG A-40 श्री मदनलाल पंवार पिता श्री नानालाल पंवार के नाम मंडल आदेश क्रमांक 6713 दिनांक 10.05. 1987 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 23.08. 2014 को उप–पंजीयक कार्यालय में निष्पादित करवाया गया था। श्री मदनलाल पंवार पिता श्री नानालाल पंवार का स्वर्गवास दिनांक 20.04.2019 हो चूका था । श्री मदनलाल पंवार पिता श्री नानालाल पंवार द्वारा अपनी मृत्यु के पूर्व एक रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 22.03.2019 द्वारा अपने पुत्र श्री गंगाधर पंवार पिता श्री मदनलाल पंवार को उक्त भवन का उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया था। उक्त वसीयत एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री गंगाधर पंवार पिता श्री मदनलाल पंवार अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यो में प्रस्तुत करे। समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमाक MIG A-40 सजीत मार्ग मदसौर का नामान्तरण श्री गंगाधर पंवार पिता श्री मदनलाल पंवार के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा ।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक EWS.B-196 श्री जगदीश चन्द्र राठौर पिता श्री नानूराम राठौर को मण्डल आदेश क्रमांक 11542 दिनांक 30.09.1982 द्वारा आवंटित किया गया था। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 10.01.2000 को पंजीबद्ध किया गया था। श्री जगदीश चन्द्र राठौर पिता श्री नानूराम राठौर द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री अम्बर व्यास पिता श्री जगदीश चन्द्र व्यास एवं अंतिम व्यास पिता श्री जगदीश चन्द्र व्यास को विक्रय पत्र दिनांक 31. 01. 2000 को उप–पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री अम्बर व्यास पिता श्री जगदीश चन्द्र व्यास एवं अंतिम व्यास पिता श्री जगदी चन्द्र व्यास अपने नाम संयुक्त रूप से करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय मे प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक EWS.B-196 संजीत मार्ग मंदसौर का नामान्तरण श्री अम्बर व्यास पिता श्री जगदीश चन्द्र व्यास एवं अंतिम व्यास पिता श्री जगदीश चन्द्र व्यास के नाम पर संयुक्त रूप से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in